RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 273 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 01-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एग्जिट पोल के अनुमान टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए : ममता बनर्जी

6 घुसपैठ से मुक्ति के लिए बंगाल में बदलाव की लहर

7 आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं, बाहरी दिखावे की जरूरत नहीं : संदीपा धर

फर्स्ट टेक

नेपाल में जीप खाई में गिरी, 20 लोगों की मौत

काठमांडू/भाषा। नेपाल के रोल्पा जिले में बृहस्पतिवार को एक जीप पहाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 700 मीटर गहरी खाई में जा गिरी और इस दुर्घटना में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना थवांग ग्रामीण नगरपालिका के जलजाला क्षेत्र में हुई, जब बारिश के बीच वाहन कीचड़ भरे रास्ते पर फिसल गया और पहाड़ी से नीचे गिर गया। पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में 20 लोगों की मौत हो गयी। रोल्पा जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सुनील थापा के अनुसार, शुक्रवार को जलजाला में आयोजित बैसाख पूर्णिमा उत्सव में भाग लेने जा रहे स्थानीय लोगों ने निजी जीप किराए पर ली थी।

आरबीआई ने पिछली छमाही में 104.23 टन सोना देश में स्थानांतरित किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मार्च, 2026 को समाप्त छह महीनों में अपने स्वर्ण भंडार का 104.23 टन हिस्सा देश के भीतर स्थानांतरित किया है। विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन पर जारी केंद्रीय बैंक की अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में कुल स्वर्ण भंडार मामूली रूप से बढ़कर 880.52 टन हो गया, जो सितंबर 2025 में 880.18 टन था। 880.52 टन सोने में 680.05 टन सोना घरेलू स्तर पर रखा गया है। इसके अलावा, 197.67 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास सुरक्षित रखा गया है जबकि 2.80 टन सोने को स्वर्ण भंडार के रूप में रखा गया है।

पाकिस्तानी नौसेना ने चीन में 'हैंगर' श्रेणी की अपनी पहली पनडुब्बी को सेवा में शामिल किया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तानी नौसेना ने बृहस्पतिवार को चीन के सान्या में आयोजित एक समारोह में अत्याधुनिक हथियारों और उन्नत सेंसर से लैस 'हैंगर' श्रेणी की अपनी पहली पनडुब्बी को सेवा में शामिल किया। सेना ने एक बयान में कहा, ''हैंगर श्रेणी की पहली पनडुब्बी के शामिल होने से पाकिस्तान और चीन के बीच समय की कसौटी पर खरी उतरी तथा समृद्ध होती दोस्ती में एक और अध्याय जुड़ा है।'' चीन यात्रा पर गए पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ और पाकिस्तानी नौसेना तथा चीनी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

01-05-2026 सूर्यास्त	02-05-2026 सूर्योदय
6:23 बजे	5:47 बजे

BSE	NSE
77,496.36	24,177.65
(+609.45)	(+181.95)

सोना	चांदी
15,490 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	249,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पोल का ढोल

सब एग्जिट पोलों ने बोली,
अपने अपने मत की भाषा।
आएगा संभावित वो ही,
जिसकी सर्वाधिक प्रत्याशा।
जाने क्यों है मतदाता पर,
प्रतिपक्षी को गुस्सा खासा।
हो जाए अप्रत्याशित कुछ,
बैठे दल ले करके आशा।।

पाकिस्तान को 'इंटरनेशनल टेररिज्म' के लिए जाना जाता है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को एक ''स्पष्ट'' संदेश दिया कि भारत अब आतंकी हमलों के बाद केवल कूटनीतिक बयान जारी करने की ''पुरानी सोच'' से बंधा नहीं है।

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि आतंकवाद एक ''विकृत और कुटिल'' मानसिकता से उत्पन्न होता है। उन्होंने इसके खिलाफ लड़ाई को केवल राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं बल्कि मानवता के मूल मूल्यों की रक्षा की लड़ाई बताया। आतंकवाद से मुकाबले के लिए भारत के दृष्टिकोण में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को एक ''स्पष्ट'' संदेश दिया कि भारत अब आतंकी हमलों के बाद केवल कूटनीतिक बयान जारी करने की ''पुरानी सोच'' से बंधा नहीं है।

उनकी इन टिप्पणियों को पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की परोक्ष आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने केवल इरादों और बयानबाजी से आगे बढ़कर ''निर्णायक कार्रवाई'' के माध्यम से अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

आतंकवाद को पाकिस्तान के निरंतर समर्थन पर सिंह ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान दोनों एक ही समय आजाद हुए। हालांकि आज भारत को वैश्विक स्तर पर आईटी यानी 'इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी' के लिए जाना जाता है, जबकि पाकिस्तान को एक अलग तरह की आईटी यानी 'इंटरनेशनल टेररिज्म' के केंद्र के रूप में देखा जाता है।'' उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारतीय रक्षा बलों की एकजुटता और तालमेल का एक ''शानदार उदाहरण'' बताया।

मंत्रालय ने सिंह के हवाले से कहा कि भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना ने एकीकृत योजना के तहत मिलकर काम किया, जिससे यह स्पष्ट रूप से साबित हो गया कि भारत की सैन्य शक्ति अब अलग-थलग नहीं है; बल्कि यह एक संयुक्त, एकीकृत और वैश्विक शक्ति के रूप में उभरी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का यह दृढ़ रुख रहा है कि किसी भी परिस्थिति में आतंकवाद के किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद विकृत और कुटिल मानसिकता से उत्पन्न होता है। यह मानवता पर काला धब्बा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला नहीं है; यह मूल रूप से मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा करने की लड़ाई है।''

कैलाश-मानसरोवर यात्रा जून में होगी शुरू

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में 17 हजार फुट की उंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रे के जरिए होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल जून में शुरू होगी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, इस यात्रा में देश भर के 500 से अधिक श्रद्धालुओं को हिस्सा लेने की अनुमति दी गई है। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस बार यात्रा में 10 जत्थे शामिल होंगे और प्रत्येक में 50 से अधिक श्रद्धालु रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह निर्णय दिल्ली में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में 27 अप्रैल को हुई संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक में लिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि यात्रा के शुरू होने की तिथि के बारे में मंत्रालय बाद में घोषणा करेगा। उन्होंने बताया, हमने अपने स्तर पर यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, यह मंत्रालय को यह निर्णय करना है कि यात्रा के लिए नोडल एजेंसी कौन होगी और इसे कैसे संचालित किया जाएगा। चीन के नियंत्रण वाले तिब्बत में कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील का काफी धार्मिक महत्व है।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में छह दोषियों को मृत्युदंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल (कर्नाटक)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता वेंकटेश कुरुबारा की 2025 में हुई हत्या के मामले में एक अदालत ने छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश सदानंद नागप्पा नायक ने रवि, विजय उर्फ मैलारी, धनराजा, भीमा उर्फ भरत, सलीम और गंगाधर गवली को सजा सुनाई। कोप्पल के पुलिस अधीक्षक राम एल अरसिद्धि ने पत्रकारों को बताया, ''प्राथमिकी पिछले साल आठ अक्टूबर को दर्ज की गई थी। दो महीने के भीतर ही 11 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया। अदालत ने छह लोगों को मौत की सजा सुनाई है।''

आठ अक्टूबर, 2025 की रात को कार में सवार बदमाशों ने भाजपा युवा मोर्चा के गंगावती नगर इकाई प्रमुख कुरुबारा की बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद उन पर धारदार हथियारों और लोहे की छड़ों से हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। अधिकारियों के अनुसार, व्यक्तिगत दुश्मनी हत्या का कारण थी। अधिकारियों ने बताया कि मामला अदालत में पहुंचने के बाद से कई गवाहों की दलीलें सुनने और उनसे पूछताछ करने के बाद, न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को सजा सुनाई।

चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी में गुजरात पुलिस देश में तीसरे स्थान पर

गांधीनगर/भाषा। गुजरात पुलिस ने चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद करने के मामले में भारत के प्रमुख राज्यों में तीसरा स्थान हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य पुलिस ने 53,564 मोबाइल उनके असली मालिकों को लौटाए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि गुजरात का शानदार प्रदर्शन राज्य पुलिस और दूरसंचार विभाग के बीच प्रभावी समन्वय को दर्शाता है।

चिकित्सा पेशे में करुणा का भाव सर्वोपरि रहना चाहिए : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ नड्डा ने कहा कि प्रौद्योगिकी अब चिकित्सा के भविष्य को आकार दे रही है, लेकिन करुणा की अपनी शक्ति है और इसे चिकित्सा पेशे का केंद्रबिंदु बने रहना चाहिए।

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अब चिकित्सा के भविष्य को आकार दे रही है, लेकिन करुणा की अपनी ताकत है और इसे चिकित्सा पेशे का केंद्रबिंदु बने रहना चाहिए।

नड्डा यहां स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) के 39वें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

विभिन्न चिकित्सा विषयों में कुल 682 स्नातकों को डिग्री प्रदान की गई, जबकि उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों वाले मेधावी छात्रों को 95 पदक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, नीति आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. विनोद के. पॉल और पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रोफेसर विवेक लाल भी उपस्थित थे।

नड्डा ने कहा कि प्रौद्योगिकी अब चिकित्सा के भविष्य को आकार दे रही है, लेकिन करुणा की अपनी शक्ति है और इसे चिकित्सा पेशे का केंद्रबिंदु बने रहना चाहिए।

भारत के स्वास्थ्य सेवा तंत्र में पीजीआईएमईआर के योगदान की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा, ''पीजीआईएमईआर चिकित्सा शिक्षा, रोगी देखभाल और अनुसंधान उत्कृष्टता के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना जारी रखे हुए है।''

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने स्वास्थ्य सेवा सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व छलांग लगाई है।

आईएसआई समर्थित दो जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' समर्थित दो जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है जो संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों का 'लाइव वीडियो' पाकिस्तान में अपने हैंडलर के पास भेजने के लिए चीन निर्मित सौर ऊर्जा संचालित उन्नत सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल कर रहे थे। उसने कहा कि पंजाब पुलिस की जालंधर स्थित 'काउंटर इंटेलिजेंस' इकाई ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर तथा चीन निर्मित 4जी कनेक्टिविटी वाला सौर ऊर्जा आधारित एक सीसीटीवी बरामद कर एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उसने बताया कि कपूरथला पुलिस ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान में दूसरे मॉड्यूल का भी भंडाफोड़ किया, जिसके फलस्वरूप दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और विदेशी हैंडलर से जुड़े चार मोबाइल फोन, सिम आधारित एक सीसीटीवी कैमरा और एक वाईफाई सेट बरामद किया गया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि ये मॉड्यूल रक्षा बलों से जुड़े प्रतिष्ठानों समेत संवेदनशील जगहों की निगरानी के लिए विभिन्न स्थानों पर सौर ऊर्जा से चलने वाले एवं सिम आधारित सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे।

ट्रायल रन

गुरुवार को ठाणे में ठाणे नगर निगम की डबल-डेकर बस अपने ट्रायल रन के दौरान नजर आई।

हमारी सेवा लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं से प्रेरित होनी चाहिए : राहुल गांधी

शिमला/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांगड़ा में आयोजित एक प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस और भाजपा की विचारधाराओं के बीच बुनियादी अंतर को रेखांकित किया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने यह जानकारी दी।

गांधी ने कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर इकाई के जिला अध्यक्षों से कहा, हमारी सेवा केवल राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह लोगों की वास्तविक भावनाओं और आकांक्षाओं से भी प्रेरित होनी चाहिए।

सुक्खू ने कांगड़ा हवाई अड्डे पर मीडियाकर्मियों से कहा कि गांधी ने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में तीन राज्यों के जिला अध्यक्षों के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया और उन्हें संगठनात्मक संरचना के लिए परिकल्पित विशिष्ट प्रणालीगत परिवर्तनों के बारे में जानकारी दी।

गांधी ने कहा कि जिला अध्यक्ष राज्यसभा सदस्य या विधायक बनने की आकांक्षा रख सकते हैं, लेकिन हर कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के संगठनात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटना चाहिए।

उन्होंने सुबह करीब आठ बजे कांगड़ा पहुंचकर प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया और दोपहर तीन बजे वहां से रवाना हुए।

ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की नई योजना पेश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ गतिरोध के केंद्र में आए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की एक नई योजना पेश की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के मुताबिक नई योजना के तहत अमेरिका, ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी जारी रखेगा, जबकि सहयोगियों के साथ समन्वय स्थापित करके ऊर्जा के मुक्त प्रवाह को बाधित करने के ईरान के प्रयासों को रोकने के लिए और कड़े उपाय करेगा।

अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए बताया कि ट्रंप ईरान को जलमार्ग पर अपना नियंत्रण समाप्त करने के लिए दबाव डालने के लिए कई राजनयिक और नीतिगत विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप ने जर्मनी में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी घटाने की धमकी फिर दी

मंस्टर/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर धमकी दी है कि अमेरिका जर्मनी में अपनी सैन्य मौजूदगी कम कर सकता है। जर्मनी उत्तर एटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का एक प्रमुख सहयोगी और यूरोपीय संघ (ईयू) की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

ट्रंप ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका जर्मनी में सैनिकों की संख्या घटाने की संभावनाओं का अध्ययन कर रहा है और इस सिलसिले में जल्द फैसला लिया जाएगा। उनकी यह धमकी जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की इस टिप्पणी के बाद आई है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका के कूटनीतिक प्रयास बेहद सुस्त रहे हैं और वाशिंगटन को तेहरान से अपमान का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से ही जर्मनी में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति घटाने के संकेत देते रहे हैं।

परमाणु और मिसाइल क्षमताओं की रक्षा करेगा ईरान : मुजतबा खामेनेई

दुबई/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस्लामिक गणराज्य अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में संरक्षित रखेगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए व्यापक समझौते की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी टेलीविजन पर पढ़े गए लिखित बयान में खामेनेई ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि फारस की खाड़ी में अमेरिकियों की जगह केवल इसके पानी की तह में है और क्षेत्र के इतिहास में नया अध्याय लिखा जा रहा है। इस बीच, अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी के कारण ईरान के तेल उद्योग पर दबाव बढ़ गया है, जिससे उसके तेल टैंकर समुद्र में नहीं जा पा रहे हैं।

गुजरात टाइटन्स ने आरसीबी को चार विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात टाइटन्स ने अनुशासित गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (18 गेंद में 43 रन) और जोस बटलर (19 गेंद में 39 रन) की अच्छी शुरूआत की मदद से बृहस्पतिवार यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को चार विकेट से शिकस्त दी। गुजरात टाइटन्स ने गिल (चार चौके, तीन छक्के) और बटलर (दो चौके, चार छक्के) के अलावा अंत में राहुल तेवतिया की नाबाद 27 रन (17 गेंद में चार चौके) पारी मदद से 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

जेसन होल्डर (29 रन देकर दो विकेट) ने गेंदबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षण में भी कमाल दिखाते हुए तीन शानदार कैच लपके। इस तरह गुजरात टाइटन्स ने आरसीबी को 19.2 ओवर में महज 155 रन पर ऑल आउट कर दिया।

आरसीबी की टीम इस सत्र में पहली बार ऑल आउट हुई। उसके लिए देवदत्त पडीक्कल 40 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि विराट कोहली ने 28 रन और कप्तान रजत पाटीदार ने 19 रन का योगदान दिया।

हिमालयी क्षेत्र में जलवायु-अनुकूल सड़क ढांचा विकसित करना बड़ी चुनौती : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, ढलानों की अस्थिरता और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। गडकरी ने 'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है। वहीं, सुरंग और सड़क परियोजनाओं के लिए भू-वैज्ञानिक जांच और

आंकड़ों के आदान-प्रदान हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ भी सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिला यांत्रिकी संस्थान (एनआईआरएम) के साथ मिलकर परियोजनाओं की तकनीकी जांच, डिजाइन की पुष्टि, सुरंगों की सुरक्षा जांच और निगरानी जैसे काम किए जा रहे हैं। गडकरी ने बताया कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें वास्तविक समय पर निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। इसके अलावा, उत्तराखंड में चारधाम मार्ग के करीब 100 किलोमीटर हिस्से में भूस्खलन की निगरानी और समय रहते चेतावनी देने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित प्रणाली लगाने का भी समझौता किया गया है।

मंत्री ने कहा कि अब सड़क परियोजनाओं की योजना बनाते समय लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और यूएवी जैसी तकनीक का उपयोग कर विस्तृत सर्वे किया जा रहा है, ताकि भूस्खलन की संभावनाओं और पुराने आंकड़ों को ध्यान में रखकर बेहतर और सुरक्षित सड़कें बनाई जा सकें।

पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन रखने वाले घरों को चिह्नित कर रही सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार रसोई गैस पर दी जाने वाली सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने और पात्र उपभोक्ताओं तक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन रखने वाले घरों को चिह्नित कर रही है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत 14 मार्च को जारी अधिसूचना में एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण आदेश, 2000 में संशोधन करते हुए पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी कनेक्शन रखना या या उसे भराने को प्रतिबंधित कर दिया था। मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बृहस्पतिवार को एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोहरा गैस कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं का आकलन किया जा रहा है। अब तक 43,000 से अधिक ऐसे उपभोक्ता अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हालांकि यह संख्या अपेक्षा से कम है। हमें यह आंकड़ा अधिक होने की उम्मीद है।

संशोधित आदेश के अनुसार, पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं को अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन तत्काल सरेंडर करना होगा। इसके अलावा पीएनजी कनेक्शन धारकों को नया एलपीजी कनेक्शन लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी तेल कंपनियों और उनके वितरकों को ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन देने या सिलेंडर भरने से मना किया गया है।

यह कदम उन घरों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनके पास पाइपयुक्त रसोई गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध नहीं है। पश्चिम एशिया संघर्ष से ऊर्जा आपूर्ति पर बने वैश्विक दबाव के बीच भारत के लिए अपने गैस आवंटन को नए सिरे से समायोजित करना पड़ रहा है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस और 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है। मौजूदा हालात में सरकार ने नए एलपीजी कनेक्शन जारी करने पर भी फिलहाल रोक लगा दी है।

पूरी दुनिया गुजरात के 'विकास मॉडल' से प्रभावित : मुख्यमंत्री पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के 66वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के विकास मॉडल ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने एक मई को मनाए जाने वाले 'गुजरात गौरव दिवस' की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए राज्य के विकास का श्रेय सामूहिक प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व को दिया।

पटेल ने कहा, ''पूरी दुनिया गुजरात के विकास मॉडल से प्रभावित है और आज गुजरात की ओर आकर्षित है।'' उन्होंने कहा कि यह दिन राज्य के महान नेताओं और लोगों के योगदान को स्वीकार करने का अवसर है। उन्होंने महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, स्वामी दयानंद सरस्वती, श्यामजी कृष्ण वर्मा और अन्य हस्तियों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन को याद किया, जिनकी प्रेरणा ने गुजरात के विकास को दिशा दी। मुख्यमंत्री ने एक मई, 1960 को राज्य के गठन का जिक्र करते हुए कहा कि इस बात पर संदेह जताया गया था कि रेगिस्तान, समुद्र तट और पहाड़ियों वाले क्षेत्र की प्रगति कैसे होगी।

पटेल ने कहा, ''लेकिन गुजरात के 1960 से 2000 तक के चार दशकों के विकास और 2001 के बाद के ढाई दशकों की निर्बाध विकास यात्रा के बीच स्पष्ट अंतर सभी देख सकते हैं।'' उन्होंने राज्य में ''विकास की राजनीति'' की नींव रखने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में गुजरात देश के लिए एक आदर्श के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, ''लोगों ने मोदी के नेतृत्व पर अपना विश्वास बरकरार रखा है। गुजरात ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ज्योतिग्राम योजना के माध्यम से गांवों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।''

जामिया के कुलपति की 'महादेव डीएनए' टिप्पणी विभाजनकारी नहीं: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति मजहर आसिफ की इस टिप्पणी का बृहस्पतिवार को समर्थन किया कि सभी भारतीयों में महादेव का डीएनए है। पार्टी ने कहा कि इस बयान को लेकर की जा रही आलोचना सभ्यतागत विचारों के प्रति घटती सहिष्णुता को दर्शाती है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आसिफ की टिप्पणी की शाब्दिक व्याख्या करना और फिर उसे अवैज्ञानिक बताकर खारिज करना उसके व्यापक अर्थ को नजरअंदाज करने के समान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संदर्भ में इस तरह की टिप्पणियां वैज्ञानिक प्रयोग पर आधारित दावों के बजाय सभ्यतागत उपमाएं होती हैं। मालवीय ने कहा, ये (टिप्पणियां) एक साझा वंश, सांस्कृतिक निरंतरता और सहस्राब्दियों में आकार लेने वाली सामूहिक चेतना को दर्शाती हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित युवा कुंभ कार्यक्रम के दौरान आसिफ की ओर से की गई कथित टिप्पणियों का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया, जिसके बाद वह विवादों में घिर गए। वीडियो में आसिफ यह कहते सुने जा सकते हैं, सभी भारतीयों का डीएनए महादेव से जुड़ा हुआ है। यहां बैठे सभी लोगों को देखकर मुझे नहीं लगता कि इन सभी की मातृभाषा, परवरिश या संस्कृति एक है। उन्होंने कहा, भौगोलिक लिहाज से, और मैं यह बात भौगोलिक संदर्भ में कह रहा हूं, हो सकता है कि वे एक ही क्षेत्र से न हों। उनका धर्म भी अलग-अलग हो सकता है। फिर भी, इन सबके बावजूद, हम भारतीय हैं। हम भारतीय हैं, क्योंकि हमारे अंदर महादेव का डीएनए है। 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं कर सकी है। मालवीय ने कहा कि आसिफ की टिप्पणियां विभाजनकारी नहीं, बल्कि जोड़ने वाली हैं और लंबे समय से चली आ रही बौद्धिक परंपरा को प्रतिध्वनित करती हैं, जो धार्मिक सीमाओं से परे है और भारत के लोगों को एक साझा सभ्यतागत विरासत के उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता देती है।

महिला आरक्षण में ओबीसी कोटा की मांग को लेकर समझौता नहीं: के. राजू

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. राजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा के वर्तमान संख्या बल के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने और इसमें अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण का प्रावधान करने की मांग को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग, अनुसूचित जनजाति विभाग, ओबीसी और अल्पसंख्यक विभागों के राष्ट्रीय समन्वयक राजू ने बताया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2023 में लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के दौरान महिला आरक्षण और ओबीसी कोटा को तत्काल लागू करने की मांग उठाई थी।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''कांग्रेस की दो मांगे ऐसी हैं जिन पर समझौता नहीं किया जा सकता। पहली मांग है कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाए और दूसरी मांग है कि महिला आरक्षण के तहत ओबीसी कोटा प्रदान किया जाए।''

राजू ने कहा, ''महिला कांग्रेस की हजारों कार्यकर्ता लोकसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर महिला आरक्षण लागू कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पोस्टकार्ड भेज रही हैं और महिला आरक्षण में ओबीसी कोटा की मांग कर रही हैं।''

भारत में 'अमेजन नाउ' पर ऑर्डर में हर महीने 25% की वृद्धिः अमेजन सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की त्वरित आपूर्ति सेवा 'अमेजन नाउ' को मिलने वाले ऑर्डर भारत में हर महीने 25 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेजन के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी ने जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि 'अमेजन नाउ' सेवा के तहत 30 मिनट के भीतर हजारों उत्पादों को घरों तक पहुंचाया जाता है और इस सेवा का उपयोग शुरू करने के बाद 'प्राइम' ग्राहकों की खरीदारी की दर तीन गुना हो गई है।

भारत में 'अमेजन नाउ' सेवा की शुरुआत 2025 की पहली तिमाही में की गई थी। शुरुआत में इसे बेंगलूरु के कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित रखा गया था लेकिन फिलहाल यह सेवा दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलूरु में उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि भारत में सफलता मिलने के बाद इस सेवा का विस्तार वैश्विक स्तर पर भी किया गया है और अब यह नौ देशों में करोड़ों ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। अमेजन ने मार्च तिमाही में 181.5 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान परिचालन आय बढ़कर 23.9 अरब डॉलर हो गई, जो एक साल पहले 18.4 अरब डॉलर थी।

उत्तराखंडः केदारनाथ धाम में एक सप्ताह में जमा किया गया एक हजार किलो प्लास्टिक कचरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में 'हरित चारधाम यात्रा' अभियान के तहत पहले ही सप्ताह में केदारनाथ धाम में करीब 1,000 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

केदारनाथ मंदिर के कपाट 22 अप्रैल को खुलने के साथ ही बड़ी संख्या में तीर्थयात्री यहां पहुंचे रहे हैं। इसके साथ ही प्लास्टिक की खाली बोतलों सहित अन्य प्रकार का कचरा भी बड़ी मात्रा में जमा हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि धाम को प्लास्टिक कचरे से मुक्त रखने के प्रयासों के तहत नगर पंचायत केदारनाथ ने यात्रा के पहले सप्ताह में ही लगभग 1,000 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया है। उन्होंने बताया कि साथ ही नगर पंचायत गीले कचरे के निस्तारण के लिए पक्के गड्ढे बनाने की योजना पर भी काम कर रही है।

अधिकारियों ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से धाम में लगभग 3,000 वर्गफुट क्षेत्र में 'मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी' स्थापित की गई है, जहां एकत्रित प्लास्टिक और ठोस कचरे को 15 अलग-अलग श्रेणियों में छांटा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही यहां एक 'कॉम्पेक्टर' मशीन भी लगाई गई है, जो प्लास्टिक बोतलों और अन्य कचरे को दबाकर 30 से 40 किलोग्राम की गठरियों में परिवर्तित कर देती है।

भारत और इटली सैन्य साजोसामान का सह-उत्पादन करने के लिए रक्षा औद्योगिक ढांचा को मजबूत करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इटली ने बृहस्पतिवार को सैन्य साजोसामान के सह-उत्पादन के लिए एक रक्षा औद्योगिक ढांचा विकसित करने का संकल्प लिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दोनों देश पश्चिम एशिया संकट सहित एक उभरते सुरक्षा परिदृश्य का सामना कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के बीच नई दिल्ली में हुई वार्ता के दौरान द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को प्रगाढ़ करने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने दोनों देशों की सशस्त्र सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग से संबंधित द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना (एमसीपी) 2026-27 का अनावरण किया।

सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा, ''हमने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, ''हमने आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम और इटली की रक्षा

सहयोग पहल के तहत पारस्परिक रूप से लाभकारी रक्षा औद्योगिक सहयोग को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर भी चर्चा की।'' रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और क्रोसेटो ने दोहराया कि भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। मंत्रालय के अनुसार, ''विभिन्न प्रमुख समुद्री मुद्दों पर दोनों प्राचीन समुद्री राष्ट्रों के बीच सहमति को भी रेखांकित किया गया, जिसमें गुरुग्राम स्थित सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र के माध्यम से सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है।''

बैठक से पहले, इतालवी रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। क्रोसेटो ने सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) के सलामी गारद का निरीक्षण भी किया। रक्षा संबंधों के व्यापक ढांचे के तहत, दोनों पक्ष अंतर्संचालन और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। दोनों देश रक्षा मंचों और उपकरणों के सह-उत्पादन और सह-विकास के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्वजनिक और निजी हितधारकों के बीच बेहतर साझेदारी और संवाद के रास्ते तलाश रहे हैं।

रक्षा कंपनियों का स्वदेशी प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के विकास पर जोर

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक साल पूरे होने वाले हैं और सरकार ने जिस 'आत्मनिर्भर' पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया वह 'और मजबूत' हो रहा है तथा रक्षा क्षेत्र में भारत की निजी संस्थाओं को भी इसी दृष्टिकोण के अनुरूप आगे बढ़ने की आवश्यकता है। यह बात कई रक्षा कंपनियों ने कही। उन्होंने संचार से संबंधित प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों सहित अधिक स्वदेशी प्रणालियां तथा प्रौद्योगिकियां विकसित करने की भी पैरवी की, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील डेटा ''भारतीय नियंत्रण में रहें''। मिसाइलों से लेकर वायु रक्षा प्रणाली तक, भारत के कई स्वदेशी मंच और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का उपयोग मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया गया था, जो पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने की तैयारियों के बीच ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकियों, साइबर खुफिया जानकारी, घुसपैठ-रोधी क्षमताओं के क्षेत्र में काम करने वाली कई रक्षा कंपनियों ने रक्षा क्षेत्र में निर्मित हो रहे आत्मनिर्भरता के पारिस्थितिकी तंत्र और इस दृष्टिकोण को मजबूत करने में निजी संस्थाओं द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका को रेखांकित किया है। रक्षा फर्म 'सीएसटी साइबर एंड डिफेंस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्य तलवार ने कहा कि वह ''ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प और हमारी तेजी से आगे बढ़ रही प्रौद्योगिकी बढ़त की एक सशक्त पुष्टि के रूप में देखते हैं''। उन्होंने कहा कि इससे यह रेखांकित हुआ कि जब सरकार, सुरक्षाबल और उद्योग ''साझा उद्देश्य'' के साथ काम करते हैं तो भारतीय साइबर खुफिया, घुसपैठ-रोधी क्षमताएं और सटीक ड्रोन-रोधी प्रतिक्रियाएं निर्णायक प्रभाव डाल सकती हैं।

पंजाब : मुख्यमंत्री मान ने संगरूर में खेल स्टेडियम की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संगरूर/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को यहां 14.63 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले आधुनिक स्टेडियम की आधारशिला रखी। मान ने इस अवसर पर कहा कि गुणवत्तापूर्ण खेल अवसंरचना तक पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ एक मजबूत शिक्षा प्रणाली युवाओं को ''उद्देश्य, प्रदर्शन और वैश्विक उपलब्धि'' की ओर ले जाने की कुंजी है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक सतौज में 4.38 एकड़ में बन रहे स्टेडियम में बैडमिंटन, हैंडबॉल, जूडो, नेटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल,

जिम्नास्टिक, कबड्डी और कराटे सहित कई प्रकार के खेलों का पेशवर प्रशिक्षण दिया जाएगा और इनसे संबंधी खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इस अवसर पर मान ने कहा, यह क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि यह स्टेडियम 14.63 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। यह स्टेडियम 4.38 एकड़ क्षेत्र में निर्मित होगा और परिसर में विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा, स्टेडियम में 200 मीटर का एथलेटिक ट्रैक, दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए पवेलियन और एक बहुउद्देशीय इनडोर स्पोर्ट्स हॉल होगा।

मान ने कहा कि सतौज में बन रहे आधुनिक खेल स्टेडियम में बच्चों और युवाओं को पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने संतुलित विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जब अच्छी शिक्षा के लिए स्कूल और खेल के लिए उपयुक्त मैदान दोनों उपलब्ध होते हैं, तब बच्चे अपने गांव, राज्य और देश का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन कर सकते हैं।

हनीमून हत्याकांड : 'हमने उसे उसके हाल पर छोड़ दिया है', भाई ने किया सोनम से दूरी का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आई सोनम रघुवंशी को लेकर उसके बड़े भाई गोविंद रघुवंशी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनके परिवार ने इस बहुचर्चित प्रकरण की मुख्य आरोपी को उसके हाल पर छोड़ दिया है।

इंदौर के कारोबारी ने यह भी कहा कि उन्होंने बहन की मदद के लिए अपनी ओर से कोई वकील नियुक्त नहीं किया है। गोविंद ने यह बयान ऐसे समय दिया, जब ईस्ट खासी हिल्स की अदालत में सोनम की जमानत अर्जी मंगलवार को मंजूर होने के बाद उसके और राजा के परिवारों के बीच का भावनात्मक तनाव सतह पर आ गया है। राजा के परिवार ने सोनम के मायके पक्ष पर जुबानी हमले तेज कर दिए हैं।

गोविंद रघुवंशी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सोनम की जमानत याचिका के बारे में मुझे कोई भी जानकारी नहीं थी। उसे जमानत मिलने की खबर मुझे मीडिया से हासिल हुई। मैंने अपनी बहन की मदद के लिए अपनी ओर से कोई वकील नियुक्त नहीं किया है।'' बहरहाल, सोनम को जमानत मिलने के बाद जेल से उसकी रिहाई की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए उसके पिता देवी सिंह रघुवंशी शिलांग में नजर आए थे।

इस बारे में पूछे जाने पर गोविंद ने दावा किया कि उनके पिता 'अदालत के आदेश' पर शिलांग

पहुंचे थे और वहां से लौट गए हैं। उन्होंने कहा,''हमने सोनम को उसके हाल पर छोड़ दिया है।'' गोविंद ने कहा कि उनके परिवार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह सोनम को इंदौर स्थित अपने घर में नहीं रखेंगे। सोनम को मिली जमानत की शर्तों में यह बात भी शामिल है कि वह ईस्ट खासी हिल्स की अदालत की उचित अनुमति के बिना इस क्षेत्र से बाहर नहीं जाएगी। सोनम को जमानत मिलने के बाद राजा रघुवंशी के बड़े भाई विपिन ने कहा कि हत्याकांड की मुख्य आरोपी और उसके साथियों से उन्हें जान का खतरा है। विपिन ने सोनम के परिवार पर झूठ बोलने और विश्वासघात का आरोप भी लगाया है। उधर, गोविंद ने कहा कि वह विपिन के इन आरोपों पर 'नि:शब्द' हैं और राजा का परिवार अपने हित में किसी भी कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेने के लिए स्वतंत्र है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड नाटकीयता से भरे कई भावनात्मक घटनाक्रमों का गवाह रहा है। इस मामले में सोनम की गिरफ्तारी के बाद गोविंद 11 जून 2025 को अचानक राजा के घर पहुंच गए थे और अपने दिवंगत जीजा की मां से लिपटकर फूट-फूटकर रोए थे। गोविंद ने तब दावा किया था कि उनके परिवार ने सोनम से सारे संबंध तोड़ लिए हैं और अपनी छोटी बहन को अदालत से 'फांसी की सजा' दिलाने के लिए वह राजा रघुवंशी के परिवार की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अधिकारियों ने बताया कि अपने पति राजा रघुवंशी की साजिशन हत्या में शामिल होने के आरोप में सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से नौ जून 2025 को गिरफ्तार किया गया था। वह जमानत मिलने से पहले, 10 महीने से अधिक समय तक शिलांग के जिला कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद रही।

राजा रघुवंशी का परिवार ट्रांसपोर्ट के कारोबार से जुड़ा है। उनकी सोनम से शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी और नवविवाहित जोड़ा 20 मई को हनीमून के लिए मेघालय रवाना हुआ था।

तमिलनाडु चुनाव नतीजों से पहले विजय ने टीवीके उम्मीदवारों की अहम बैठक बुलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय एक अहम रणनीतिक बैठक करने जा रहे हैं। विजय अपनी पार्टी टीवीके के उम्मीदवारों के साथ गुरुवार को चेन्नई के पनैयूर स्थित पार्टी मुख्यालय में की। यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसमें चुनाव के बाद की स्थिति का आकलन और मतगणना से पहले की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा होगी। खास बात यह है कि इस बैठक में केवल वही उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने चुनाव लड़ा है। इससे साफ है कि पार्टी इस बैठक को बेहद गंभीरता से ले रही है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान हुआ था। इस बार का चुनाव काफी हाई-प्रोफाइल रहा, जिसमें बड़े गठबंधनों के साथ-साथ नए राजनीतिक दलों ने भी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई। यह चुनाव विजय की पार्टी टीवीके का पहला चुनावी मुकाबला भी है, जिसने खासतौर पर युवाओं के बीच काफी चर्चा बटोरी है।

पार्टी ने 234 में से 233 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। हालांकि एडप्पडी सीट पर नामांकन रद्द होने के कारण वहां उम्मीदवार नहीं उतारा जा सका। इसके बावजूद टीवीके ने राज्यभर में मजबूत तरीके से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है और खुद को एक उभरती हुई राजनीतिक ताकत के रूप में पेश किया है। बैठक को लेकर पार्टी ने सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने मतदान केंद्रों से प्राप्त मूल 'फॉर्म 17सी' साथ लेकर आएं। यह एक आधिकारिक दस्तावेज होता है, जिसे रिटर्निंग ऑफिसर जारी करता है और इसमें हर बूथ पर पड़े वोटों का पूरा ब्योरा होता है। फॉर्म 17सी चुनाव प्रक्रिया में बेहद अहम माना जाता है क्योंकि इसके जरिए उम्मीदवार वोटों की संख्या की पुष्टि कर सकते हैं और मतगणना के दौरान उसका मिलान कर सकते हैं। इससे पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलती है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में बूथ स्तर के आंकड़ों को इकट्ठा कर अलग-अलग क्षेत्रों में मतदान के रुझानों का भी विश्लेषण किया जा सकता है। 4 मई को नतीजों के ऐलान से पहले विजय की यह पहल उनकी रणनीतिक सोच को दर्शाती है। अपनी पहली चुनावी परीक्षा में टीवीके पूरी तैयारी और सटीक योजना के साथ आगे बढ़ती नजर आ रही है।

टीवीके नेता सेंगोट्टईयन ने एक्जिट पोल को नकारा, 200 से अधिक सीट पर पार्टी की जीत का दावा किया

कोयंबटूर। टीवीके के नेता के.ए. सेंगोट्टईयन ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न एग्जिट पोल के निष्कर्षों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि ये सर्वेक्षण परिणाम असंगत हैं और उनकी पार्टी के प्रति भारी जन समर्थन को सही तरीके से नहीं दर्शाते। सेंगोट्टईयन ने कहा, वह (विजय) 200 सीटों पर जीत हासिल करेंगे और तमिलनाडु की सत्ता संभालेंगे। जनता पहले ही यह तय कर चुकी थी। ऐतिहासिक राजनीतिक बदलाव का अनुमान जताते हुए सेंगोट्टईयन ने कहा कि राज्य वर्तमान पूर्वानुमानों को नकारते हुए एक ऐतिहासिक राजनीतिक परिवर्तन के कगार पर है।

सेंगोट्टईयन ने पत्रकारों से कहा, तमिलनाडु और देश के इतिहास में हमने हरित क्रांति, श्वेत क्रांति और समाजवादी क्रांति देखी हैं। अब हमारे नेता थलपति की 'सीटी क्रांति' केवल तमिलनाडु में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में जानी जाएगी। यही होने जा रहा है। टीवीके का चुनाव चिह्न 'सीटी' (व्हिसल) है। टीवीके के नेता ने यह भी बताया कि पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी पिछले चुनाव में एग्जिट पोल और अंतिम परिणामों में फर्क था।

जीत की संभावनाओं की समीक्षा के लिए वरिष्ठ द्रमुक नेताओं के साथ स्टालिन की बैठक

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कोडाइकनाल से चार दिन की छुट्टी से लौटने के बाद, अगले दिन पार्टी मुख्यालय में द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं के साथ उच्च स्तरीय बैठक की तथा 23 अप्रैल को हुए विस चुनाव में जीत की संभावनाओं का आकलन किया। यह बैठक विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा चुनाव के बाद जारी सर्वेक्षणों 'एग्जिट पोल' में द्रमुक के फिर से सत्ता में आने के संकेतों के बाद बुलाई गई। बैठक में द्रमुक महासचिव दुरई मुरुगन, मंत्री एम. आर. के. पनीरसेल्वम और ई. वी. वेलु सहित अन्य नेता शामिल हुए। द्रमुक सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान स्टालिन का ध्यान चार मई को होने वाले तमिलनाडु विस चुनाव की मतगणना को लेकर रणनीति को अंतिम रूप देने और मतगणना प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहने वाले पार्टी के बूथ एजेंटों को निर्देश देने पर केंद्रित रहा। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया के दौरान सतर्कता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

अन्नाद्रमुक ने पहले भी एग्जिट पोल भविष्यवाणियों को गलत साबित किया है : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अध्यक्ष एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव को लेकर आए एग्जिट पोल पर बृहस्पतिवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी ने पूर्व में भी एग्जिट पोल में की गई भविष्यवाणियों को गलत साबित किया है और हर बार मजबूती से वापसी की है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न एजेंसियों द्वारा कराए गए एग्जिट पोल में से ज्यादातर में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को बढ़त दिखाई गई है।

अन्नाद्रमुक महासचिव ने एग्जिट पोल पर दी गई अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, ''इस चुनाव में भी (पूर्व की तरह) सफलता निश्चित रूप से जारी रहेगी।'' उन्होंने यहां जारी एक बयान में आरोप लगाया कि द्रमुक एग्जिट पोल के नाम पर ''व्यवस्थित रूप से'' दुष्प्रचार कर रही है। तमिलनाडु की निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी ने कहा, वे तमिलनाडु की जनता और हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को गुमराह कर रहे हैं। इसलिए भविष्यवाणियों को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। पलानीस्वामी ने दावा किया कि अन्नाद्रमुक ने अब तक सभी एग्जिट पोल को हराकर' सरकार बनाई है। उन्होंने राज्य में 2011 और 2016 के विधानसभा चुनावों को याद किया, जिनमें उनकी पार्टी ने दिवंगत जे जयललिता के नेतृत्व में जीत दर्ज की थी। उन्होंने 2011 के राज्य विधानसभा चुनाव का संदर्भ देते हुए कहा, उस समय एग्जिट पोल ने भविष्यवाणी की थी कि द्रमुक की सरकार बनी रहेगी और केवल कुछ ही एग्जिट पोल में अन्नाद्रमुक के जीतने की संभावना जताई गई थी। लेकिन द्रमुक ने तब केवल 23 सीटें जीती थीं और वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी हासिल नहीं कर सकी थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने द्रमुक पर जीत का भ्रम पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे अराजकता फैल सकती है। उन्होंने कहा, इसलिए, पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं, बूथ एजेंट, उम्मीदवारों और निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव प्रभारी को चार मई को मतगणना स्थलों पर अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। पलानीस्वामी ने भरोसा जताया कि अन्नाद्रमुक नीत गठबंधन 234 सदस्यीय विधानसभा क्षेत्रों में 210 सीट पर जीत दर्ज करेगा। राज्य में अन्नाद्रमुक विपक्षी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रही है। इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) शामिल हैं।

विजय ने हमें चार मई को मतगणना केंद्र से एक इंच भी इधर-उधर नहीं हिलने को कहा : टीवीके प्रत्याशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टीवीके प्रत्याशी एन मैरी विल्सन ने कहा है कि उनकी पार्टी के प्रमुख विजय ने बृहस्पतिवार को यहां एक बैठक के दौरान उम्मीदवारों को निर्देश दिया कि वे मतगणना शुरू होने से पहले सुबह-सुबह मतगणना केंद्रों पर पहुंच जायें और वहां से एक इंच भी न हिलें।' आर के नगर के टीवीके प्रत्याशी विल्सन ने मीडिया से कहा, ''विजय ने हमें (टीवीके उम्मीदवारों को) सुबह छह बजे तक मतगणना केंद्रों पर पहुंच जाने को कहा है। उन्होंने हमें आगे रहकर एक इंच भी हिले बिना कार्यवाही पर कड़ी नजर रखने की सलाह दी है।'' तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को चुनाव हुए थे। वोटों की गिनती चार मई को होगी।

टीवीके उम्मीदवारों ने अपने चुनाव प्रचार के अनुभवों के साथ-साथ चार मई की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए यहां विजय के साथ बैठक की। हालिया एग्जिट पोल के बारे में पूछे जाने पर विल्सन ने स्पष्ट किया कि विजय के साथ हुई उनकी बैठक में एग्जिट पोल पर कोई चर्चा नहीं हुई। एग्जिट पोल में द्रमुक को बढ़त मिलती दिख रही है।

विल्सन ने कहा कि वह जमीनी हकीकत पर भरोसा करना पसंद करेंगे और लगभग 30 दिनों तक जनता से सीधे बातचीत करने और यात्रा करने के बाद, उन्हें पूरा विश्वास है कि परिणाम उनके पक्ष में ही आएंगे क्योंकि मतदाताओं ने पहले ही अपना फैसला कर लिया है। उन्होंने अन्नाद्रमुक के साथ संभावित गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों को भी खारिज कर दिया।

निलंबित आईएएस अधिकारी बी अशोक ने केरल की वाम मोर्चा सरकार को 'असहिष्णु' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी बी अशोक ने बृहस्पतिवार को केरल की वाम मोर्चा सरकार पर पलटवार करते हुए उसे असहिष्णु करार दिया।

अशोक को राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान मीडिया से बात करने और सरकारी नीतियों की आलोचना करने के कारण सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, सैनिक कल्याण विभाग में प्रधान सचिव और केरल कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक ने विधानसभा चुनावों के दौरान मीडिया को साक्षात्कार दिए थे और राजनीतिक एवं प्रशासनिक मामलों पर समाचार चैनलों की बहसों में हिस्सा लिया था, जिसके आधार पर उनके निलंबन का फैसला लिया गया था।

अशोक ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आदेश उन्हें निलंबित करने का कोई ठोस कारण नहीं स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि वह निलंबन आदेश को न तो अदालत में और न ही किसी केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में चुनौती देंगे, क्योंकि यह नौ अप्रैल को जनता की ओर से बर्खास्त की गई सरकार का निलंबन आदेश है।

अशोक ने कहा, यह आदेश अभी बरकरार रह सकता है। जब नयी सरकार सत्ता संभालेगी, तो इसे वापस ले लिया जाएगा और मुझे बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि निलंबन आदेश जनवरी 2025 से सिविल सेवकों और खास तौर पर उनके खिलाफ सरकार की ओर से की गई कार्रवाई का हिस्सा था।

अशोक ने कहा, केरल आईएएस एसोसिएशन और मैंने यह सुनिश्चित किया था कि केरल में आईएएस कैडर के कामकाज के सिलसिले में वाम सरकार के ज्यादातर फैसले अधिसूचित अखिल भारतीय सिविल सेवा नियमों के अनुसार ही लिए जाएं।

उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ उठाए गए सभी कदमों में उन्हें (सरकार) हार का सामना करना पड़ा और इसलिए अपनी इज्जत बचाने के लिए उन्होंने यह मनगढ़ंत बहाना बनाकर मुझे निलंबित कर दिया कि मैंने मीडिया से बात की थी। अशोक ने कहा, यह सरकार की घोर असहिष्णुता को दर्शाता है। वह चाहती है कि सरकारी कर्मचारी, जिनमें नौकरशाह भी शामिल हैं, उसके सेवक और चापलूस बन कर रहें। इसलिए मैं निलंबन आदेश को एक तमगा मानता हूं।

उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव एम शिवशंकर की सेवानिवृत्ति के बाद एक पूर्व नौकरशाह के अब्राहम को मुख्य प्रधान सचिव के पद पर नियुक्त किया गया और उन्हें मुख्य सचिव के समकक्ष या उससे अधिक शक्तियां दी गईं।

अशोक ने कहा कि इससे सत्ता में दोहरापन उत्पन्न हुआ, जिसके मद्देनजर केरल आईएएस एसोसिएशन ने लंबे समय से सेवानिवृत्त नौकरशाहों को कैडर पदों पर बहाल करने और आईएएस पदों के संबंध में सरकार के विभिन्न अन्य निर्णयों के खिलाफ न्यायाधिकरण का रुख किया।

तमिलनाडु में कई दिनों तक बारिश का अलर्ट, मौसम विभाग की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मौसम विभाग के चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने आने वाले दिनों में तमिलनाडु के कई हिस्सों में मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

खासकर पश्चिमी घाट के जिलों और दक्षिणी तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान इन इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है, जिससे मौसम में ठंडक आने और तापमान में थोड़ी गिरावट की संभावना है।

मौसम विभाग ने लोगों को मौसम से जुड़े अपडेट पर नजर रखने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि समुद्र तल से लगभग 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र सक्रिय है, जो उत्तर आंतरिक कर्नाटक से शुरू होकर दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु होते हुए गल्फ ऑफ मन्नार तक फैला हुआ है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस वायुमंडलीय स्थिति के कारण राज्य के कई जिलों में व्यापक वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने संकेत दिया है कि पश्चिमी घाट के जिलों, तटीय पट्टियों, डेल्टा क्षेत्रों और कराईकल क्षेत्र के कुछ स्थानों पर गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की उम्मीद है। ये मौसमी स्थितियां पूरे दिन बनी रहने की संभावना है, और संवेदनशील क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश होने की उम्मीद है। विशेष रूप से, नीलगिरी और कोयंबटूर जिलों में अगले तीन दिनों तक भारी वर्षा का पूर्वानुमान लगाया गया है, जिससे पहाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना बढ़ गई है। अधिकारियों ने इन जिलों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां भूस्खलन या जलभराव का खतरा अधिक है।

इसके अलावा इरोड, सेलम, धर्मपुरी और कृष्णगिरी जैसे जिलों में भी अगले दो दिनों तक भारी वर्षा होने की उम्मीद है। यह मौसमी प्रणाली धीरे-धीरे दक्षिण की ओर खिसक रही है, जिससे और भी अधिक जिले इसके प्रभाव में आ रहे हैं। 1 मई को तिरुप्पुर, डिंडीगुल और थेनी जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

2 मई को भी वर्षा की तीव्रता बनी रहने की उम्मीद है और डिंडीगुल, थेनी, मदुरै, शिवगंगा तथा विरुधुनगर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन से सतर्क रहने और तैयारियों को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, विशेष रूप से निचले और बाढ़-संभावित क्षेत्रों में। मछुआरों को भी संभावित प्रतिकूल मौसमी स्थितियों के कारण दक्षिणी तट पर सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आने में अभी कुछ सप्ताह शेष हैं, इसलिए वर्षा का यह वर्तमान दौर मौसमी मानसून गतिविधि के बजाय स्थानीय वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण माना जा रहा है।

मोरबी में नहर में डूबने से तमिलनाडु के किशोर की मौत, भाई लापता

पिता की अनुपस्थिति में दोनों लड़के नहाने के लिए उतर गए थे नहाने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में बृहस्पतिवार को नहर में डूबने से तमिलनाडु निवासी एक लड़के की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 11:28 बजे ध्रांगध्रा-मोरबी शाखा नहर में हुई। मोरबी के मुख्य अग्निशमन अधिकारी जयेश डाकी ने बताया कि 13 और 15 वर्ष की आयु के ये दोनों लड़के अपनी छुट्टियों के दौरान ट्रक चालक पिता के साथ गुजरात आए थे। रास्ते में वे नहर के पास रुके थे। उन्होंने बताया कि अपने पिता की अनुपस्थिति में दोनों लड़के नहाने के लिए नहर में उतर गए। डाकी ने बताया कि मोरबी और हलवद की दमकल टीमों ने छोटे भाई का शव बरामद कर लिया है, जबकि बड़े भाई की तलाश के लिए खोज अभियान जारी है।

एर्नाकुलम जंक्शन पर चलती ट्रेन के नीचे आने से महिला की मौत

कोच्चि। केरल के एर्नाकुलम जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बृहस्पतिवार सुबह चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान पैर फिसलने से 35 वर्षीय महिला ट्रेन के नीचे आ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतका की पहचान कोल्लम निवासी चिप्पी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब सवा पांच बजे हुआ जब वह स्टेशन से रवाना हो चुकी वंचिनाद एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने बताया कि चलती ट्रेन में चढ़ते समय वह संतुलन खो बैठी और ट्रेन के नीचे आ गई। महिला को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, रेलवे पुलिस ने जांच शुरू कर दी है तथा घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिये प्लेटफॉर्म के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

इस तरह की घटनाओं के लिए एहतियात बरते राज्य सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा कि बेंगलूरु के सरकारी अस्पताल के परिसर की दीवार गिरने जैसी घटनाएं दोबारा न हों।

बेंगलूरु में बुधवार को भारी बारिश के कारण बोरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल के परिसर की दीवार ढह जाने से एक बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई और जबकि सात अन्य घायल हो गए।

खरगे ने कहा, ''कुछ लोगों का कहना है कि यह एक पुराना परिसर था, जबकि अन्य लोगों की राय में इसका निर्माण ठीक से नहीं हुआ था... मैंने देखा है कि दीवार में दरारें हैं। मैंने वहां के लोगों से बात की है। दीवार की मरम्मत की जानी चाहिए और प्रभावित फेरीवालों व अन्य लोगों को मुआवजा दिया जाना चाहिए।''

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि परिसर के बगल में सड़क पर विक्रेताओं को कारोबार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह हर जगह हो रहा है, यहां तक कि कलबुर्गी में भी, जहां वे (रेहड़ी पटरीवाले) फुटपाथ पर सामान बेचते हैं।

अगर हम इसके खिलाफ कुछ कहते हैं, तो वे हम पर उनकी रोजी-रोटी में बाधा डालने का आरोप लगाते हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि उन्हें शहरों में अन्य नागरिकों के लिए परेशानी नहीं खड़ी करनी चाहिए। उन्होंने नगरपालिकाओं से रेहड़ी पटरी वालों के लिए उपयुक्त स्थान आवंटित करने और उनकी मदद करने की अपील की।

खरगे ने कहा कि बेंगलूरु में जो घटना घटी है, वह अन्य स्थानों पर भी हो सकती है, इसलिए सरकार को एहतियात बरतना चाहिए।

उन्होंने कहा, सरकार को रेहड़ी पटरी वालों और छोटे व्यापारियों की मदद करने की कोशिश करनी चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने परिसर की दीवार गिरने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और प्रत्येक मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।

कर्नाटक में 'फिलहाल' मुख्यमंत्री पद पर बदलाव नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्नाटक में 'फिलहाल'' मुख्यमंत्री पद पर कोई बदलाव नहीं हो रहा है और राज्य में नेतृत्व का मुद्दा जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। उनका यह बयान उस वक्त आया है जब कर्नाटक की सत्तारूढ़ पार्टी और राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि चार मई को चार राज्यों एवं एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद नेतृत्व परिवर्तन और कैबिनेट फेरबदल पर फैसले की संभावना है।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ सत्ता साझा किए जाने के समझौते से जुड़ी चर्चा को हवा दे रहे हैं। उनका कहना है कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद यह सहमति बनी थी कि पांच साल के कार्यकाल के दौरान ही सिद्दरामय्या और शिवकुमार मुख्यमंत्री पद बारी-बारी संभालेंगे।

इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि अगर काफी अनुभव वाले वरिष्ठ नेता खरगे मुख्यमंत्री बनते हैं तो सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में हर कोई स्वागत करेगा। खरगे ने परमेश्वर के बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''आप (मीडिया), वह (परमेश्वर) कहते हैं कि अगर मैं (मुख्यमंत्री) बन जाऊं तो बेहतर है। लेकिन भाग्य से कहीं ज्यादा, मेरी विचारधारा के अनुसार और पार्टी के लिए अब तक की गई मेरी सेवा के अनुसार, सोनिया गांधी मेरे संबंध में निर्णय लेती हैं।'' उनका यह भी कहना था, लेकिन, अब वह सवाल ही नहीं उठता। यहां पहले से ही एक मुख्यमंत्री हैं। अगर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मुझे मिलकर बदलाव की दिशा में कोई फैसला लेना है, तो इसमें कुछ समय लगेगा। ''चलिए, इंतजार करते हैं और देखते हैं।''

कांग्रेस सरकार द्वारा 20 नवंबर, 2025 को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री के संभावित बदलाव की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ दल के भीतर नेतृत्व की खींचतान तेज हो गई है। जनता दल (एस) के नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बयान दिया है कि कांग्रेस में नेतृत्व की खींचतान के बीच लगभग 40 कांग्रेस विधायकों ने अगले महीने दिल्ली के लिए टिकट बुक किया है। इस बारे में खरगे ने कहा, ''मुझे नहीं पता, उनसे ब्योरा मांगिए।''

केरल में अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार, छह अन्य हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम में अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिलाओं को कारियावट्टोम इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिलाएं कथित तौर पर एक ऐसे गिरोह का हिस्सा थीं, जिसके उस इलाके में देह व्यापार में शामिल होने का संदेह है।

केरल पुलिस के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) से मिली गुप्त सूचना के आधार पर कझाकूट्टम पुलिस ने बुधवार रात कारियावट्टोम स्थित एक किराए के मकान पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाएं पिछले एक महीने से तिरुवनंतपुरम में थीं और कथित तौर पर देह व्यापार से जुड़े एक गिरोह के लिए काम कर रही थीं।

छापेमारी के दौरान छह अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, इस समूह ने खुद को चिकित्सक बताकर इस महीने की शुरुआत में यह घर किराए पर लिया था। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से एक मामला दोनों बांग्लादेशी महिलाओं के खिलाफ अवैध रूप से ठहरने का है, जबकि दूसरा मामला देह व्यापार की गतिविधियों से संबंधित है।

पुलिस ने हाल ही में शहर के एक स्पा से भी दो अन्य बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों के मुताबिक, जाली दस्तावेजों और पहचान पत्रों के आधार पर अवैध रूप से राज्य में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है।

हमारे कार्यकाल में सवा लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली, एक भी पेपर लीक नहीं : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की दूरगामी नीतियों एवं निर्णयों के माध्यम से उच्च शिक्षा तक के स्तर पर आधारभूत संरचनाओं का विकास और विस्तार सुनिश्चित करते हुए बेटियों को सुलभ शिक्षा के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को पाली के रोहट में राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरुकुल संस्थान द्वारा नवनिर्मित कन्या महाविद्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम तथा कन्या गुरुकुल के 10वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इस दृष्टि से यह कन्या महाविद्यालय बेटियों को शिक्षा देने में अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान शर्मा ने स्थानीय क्षेत्र की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए डीपीआर बनवाने की घोषणा भी की। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप राज्य सरकार ने युवा, महिला, किसान एवं मजदूर के उत्थान को केन्द्र में रखकर प्रदेश के विकास का रौडमेप बनाया है। इस रौडमेप में बिजली-पानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, सोम-कमला-अम्बा आदि को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने पाली क्षेत्र की योजनाओं एवं विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। जो वर्ष 2027 तक पूर प्रदेश में उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख रोजगार के लक्ष्य पर कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। लगभग 1 लाख 25 हजार सरकारी पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है और 1 लाख 33 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया में है। वहीं, सवा लाख पदों का भर्ती कैलेंडर भी जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में 3 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक से युवाओं के सपने टूटे, लेकिन हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने एवं उनके सम्मान के लिए प्रभावी नीतियों एवं योजनाओं की रूपरेखा बनाई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान प्रारम्भ किया जिससे बालिका लिंगानुपात बढ़ा। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर-नल से जल भी दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में 23 से 25 मई को ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)- 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें किसान, पशुपालक के साथ-साथ देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और निवेशक भाग लेंगे। उन्होंने किसानों को इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में 71 नए राजकीय महाविद्यालय खोलने के साथ ही, 185 नए राजकीय महाविद्यालयों के भवनों का लोकार्पण किया है। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 57 महाविद्यालयों के भवन ही बनवाए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भवनों के निर्माण, उन्नयन एवं जीर्णोद्धार के लिए 125 करोड़ रुपये स्वीकृत, पीजी स्तर के 50 और यूजी स्तर के 73 महाविद्यालयों में नए विषय प्रारम्भ, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत 330 करोड़ रूपये का अनुदान स्वीकृत करने के साथ ही, मेधावी छात्राओं को 43 हजार से अधिक स्कूटियों का वितरण किया है। गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को प्रतिनिधित्व अधिकार देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी राजस्थान में आमजन के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि साध्वी भगवती बाईजी बालिका शिक्षा के क्षेत्र में नेक कार्य कर रही हैं। इनके संरक्षण में कन्या महाविद्यालय प्रारंभ होने से स्थानीय क्षेत्र की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित कन्या महाविद्यालय के भवन का लोकार्पण किया और आंजणी माता मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। साथ ही, उन्होंने गुरुकुल की बालिकाओं से बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में लिए गए निर्णयों एवं योजनाओं पर संवाद किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद पी.पी. चौधरी, लुम्बाराम चौधरी, विधायक हमीर सिंह भायल, जीवाराम चौधरी, अरुण चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित पीठाधीश्वर साध्वी भगवती बाईजी, दयाराम जी महाराज, पदमाराम जी महाराज, सुमन सुलभ जी महाराज एवं बड़ी संख्या में गुरुकुल छात्राएं और आमजन उपस्थित रहे।

चलती कार में आग लगी, पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चलती कार में आग लग जाने से तीन महिलाओं और एक नाबालिग लड़की समेत पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार रात को लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के मौजपुर के पास हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि पुलिस को कल देर रात वाहन में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

उन्होंने कहा, लगभग 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि सभी हादसे में मारे गए सभी लोग मध्य प्रदेश के शिवपुर जिले के निवासी थे और वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा से लौट रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक कैलाश जिंदल ने बताया कि चलती गाड़ी में आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका है। सीएनजी की मौजूदगी से भी आग और भड़क उठी, जिससे वाहन में सवार लोगों को निकलने का मौका नहीं मिला।

मृतकों में तीन महिलाएं, एक नाबालिग लड़की और एक पुरुष शामिल है। मृतकों की पहचान संतोष, उनकी पत्नी शशि, उनकी मां पार्वती, बेटी रागिनी और साक्षी के रूप में हुई है। ये सभी मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के चैनपुरा के निवासी थे। उन्होंने बताया, वाहन से केवल कंकाल बरामद हुए हैं। उनकी पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किए जाएंगे।

कार चालक विनोद कुमार वाहन से कूदने में कामयाब रहा, लेकिन वह लगभग 80 प्रतिशत झुलस गया। अधिकारियों ने बताया कि उसे पहले पास के एक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने ली प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को शिक्षा संकुल में प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंनें गैर सरकारी विद्यालयों के मान्यता/क्रमोन्नति के लंबित प्रकरण, महिला कार्मिकों या छात्राओं के उत्पीड़न से संबंधित प्रकरण, 16 सीसीए प्रकरण, एसीबी व पुलिस जांच के प्रकरण, भर्ती परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी प्रकरण आदि की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली व लंबित प्रकरणों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम व प्रवेशोत्सव की भी समीक्षा की। विभाग की ओर से इस वर्ष चार दिवसीय सघन हाउस होल्ड सर्वे व प्रवेशोत्सव के परिणामस्वरूप अब तक राजकीय विद्यालयों में हुए 69 लाख से अधिक नामांकन पर उन्होंने संतोष जताते हुए विभाग को बधाई दी। उन्होंने आगामी समय में आयोजित होने वाले पौधारोपण कार्यक्रम को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने शिक्षामंत्री को विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। निदेशक माध्यमिक व प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट ने निदेशालय की ओर से लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला।

बैठक में राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, संयुक्त सचिव महेन्द्र खींची, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक प्रथम श्रीमती सीमा शर्मा, द्वितीय अशोक कुमार मीणा सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा में डोरस्टेप शिविरों में घरेलू पाइपलाइन से गैस कनेक्शन : पाटनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा में बहुमंजिला अपार्टमेंट्स सहित आसपास के निवासियों को शिविर लगाकर पाइपलाइन से घरेलू गैस डीपीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक विनय पाटनी ने बताया कि कोटावासियों को डीपीएनजी कनेक्शन डोरस्टेप पर उपलब्ध कराने के लिए शिविर कार्यक्रम जारी किया गया है। पहले चरण में एक से 8 मई तक सुभाष नगर प्रथम, विवेकानंद नगर, स्वामी विवेकानन्द नगर और राजीव गांधी नगर में इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

पिछले दिनों जयपुर में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने राज्य की सीजीडी संस्थाओं को अवेयरनेस अभियान चलाकर क्षेत्रवासियों को पाईप लाईन से घरेलू गैस सुविधा डीपीएनजी से जोड़ने की आवश्यकता प्रतिपादित की। प्रबंध निदेशक पाटनी ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा पीएनजी नेटवर्क वाले क्षेत्रों में डीपीएनजी कनेक्शन जारी कर एलपीजी फ्री जोन घोषित करने के निर्देश दिए गए है। आरएसजीएल ने एक मई से 8 मई तक का डोर स्टेप शिविर कार्यक्रम जारी कर दिया है। शिविर के दौरान कोटावासियों को कनेक्शन लेने पर विशेष प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। डीपीएनजी कनेक्शन के लिए कार्यक्रमानुसार शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा।

मुंडन की खुशियां 'मातम' में बदलीं, कार में लॉक होने से 3 साल के मासूम ने तड़पकर तोड़ा दम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलाड़ा (जोधपुर)। एक छोटी सी लापरवाही ने हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को ताउम्र के गम में तब्दील कर दिया। जोधपुर के बिलाड़ा कस्बे में बुधवार दोपहर एक रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा सामने आया, जहां पिता की ही कार मासूम के लिए 'काल' बन गई। बेंगलूरु से जिस बेटे के मुंडन और नए घर की खुशियां मनाने परिवार गांव आया था, उसी मासूम की अर्थी उठने से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। पंचोलियों का बास निवासी विष्णु जांगिड़ का 3 वर्षीय पुत्र हितार्थ घर के बाहर खेलते-खेलते अचानक गायब हो गया। घर में समारोह की तैयारियों के शोर-शराबे के बीच किसी का ध्यान बच्चे पर नहीं गया। करीब डेढ़ घंटे बाद जब तलाश की गई, तो बच्चा घर के पास खड़ी कार के अंदर बेहोश मिला। वह गलती से कार के अंदर जाकर बैठ गया था और दरवाजा अंदर से लॉक हो गया। भीषण गर्मी और दम घुटने ने ली जान

परिजनों ने बच्चे को तुरंत स्थानीय ट्रोमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशेषज्ञों के अनुसार बंद कार में तापमान कुछ ही मिनटों में जानलेवा स्तर तक पहुंच जाता है। एयरफ्लो बंद होने के कारण कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर तेजी से बढ़ता है, जो बच्चों के लिए बेहद घातक साबित होता है। बच्चों का शरीर वयस्कों की तुलना में तापमान और ऑक्सीजन की कमी के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। हादसे के वक्त घर में मुंडन संस्कार और गृह प्रवेश की तैयारियां चल रही थीं। परिवार में जश्न का माहौल था, जो एक पल में चीख-पुकार में बदल गया। फिलहाल इस मामले में पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। यह घटना एक चेतावनी है कि खड़ी कार को कभी भी खुला न छोड़ें और बच्चों को कार के आसपास अकेले न खेलने दें। आपकी एक मिनट की चूक किसी मासूम की जान ले सकती है।

न्यायालय ने जवाई तेंदुआ अभयारण्य में निर्माण व अनियंत्रित पर्यटन पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में पाली जिले के सुमेरपुर के निकट स्थित जवाई तेंदुआ अभयारण्य में निर्माण, खनन और अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाते हुए कहा है कि तेंदुओं के आवास में हस्तक्षेप संवैधानिक दायित्वों का उल्लंघन है। अदालत ने राज्य सरकार को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा आठ और 18 के तहत जवाई क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने की व्यवहार्यता पर विचार करने का निर्देश भी दिया, जिससे इस क्षेत्र के संरक्षण स्तर को बढ़ाने की संभावना जताई गई है। न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायमूर्ति संदीप शाह की खंडपीठ ने कहा कि पृथ्वी मनुष्य की नहीं है, बल्कि मनुष्य पृथ्वी का है और पर्यावरण संरक्षण केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार से जुड़ा संवैधानिक दायित्व है। अदालत ने जवाई क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देते हुए नए पर्यटन लाइसेंस पर पूर्ण प्रतिबंध, खनन गतिविधियों पर रोक के साथ साथ कंटीले तार की बाड़ लगाने पर भी प्रतिबंध लगाया है। साथ ही, अदालत की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी निर्माण कार्य पर रोक लगाई गई है। पीठ ने कहा कि तेंदुआ अभयारण्य में नाइट सफारी पर पहले से लगी रोक जारी रहेगी। अदालत ने सफारी संचालन, पर्यटन गतिविधियों और आवास संरक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के मसौदे को तत्काल लागू करने का निर्देश भी दिया और कहा कि यह विशेषज्ञों द्वारा तैयार ढांचा पारिस्थितिकी तंत्र को और क्षति से बचाने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, 'जवाई सफारी एवं इको-टूरिज्म समन्वय समिति' नामक बहु-विभागीय निकाय को तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया है, ताकि विभिन्न प्राधिकरणों के बीच समन्वय और अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। यह निर्देश जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए गए, जिसमें जवाई क्षेत्र में अनियंत्रित इको-पर्यटन, अवैध निर्माण और खनन के कारण तेंदुओं के संवेदनशील आवास पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को उजागर किया गया था। अदालत ने कहा कि लगभग 50 से 70 तेंदुओं का निवास यह क्षेत्र मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक दुर्लभ उदाहरण है, जो बढ़ते मानवीय दबाव के कारण खतरे में है।

जिला कलक्टर ने किया जे.के. लोन बाल चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्य सरकार बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील है एवं उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध भी है। जिला कलक्टर संदेश नायक द्वारा जयपुर स्थित जे.के. लोन बाल चिकित्सालय का गुरूवार को औचक निरीक्षण किया गया। यह चिकित्सालय जयपुर का एक प्रमुख एवं बड़ा बाल चिकित्सालय है, जहां बड़ी संख्या में बच्चों का उपचार किया जाता है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय के विभिन्न विभागों एन.आई.सी.यू., आईपीडी, ओपीडी एवं वार्डों का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रयोगशाला की व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने उपचाराधीन बच्चों के परिजनों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना।

निरीक्षण में जिला कलक्टर ने पाया कि चिकित्सालय में चिकित्सकीय सेवाएं नियमित रूप से प्रदान की जा रही हैं, हालांकि कुछ व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने मरीजों को समय पर एवं गुणवत्तायुक्त उपचार सुनिश्चित करने, साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था को आर सुदृढ़ करने, आवश्यक दवाइयों-उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं परिजनों को बेहतर सुविधा एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश, संबंधित अधिकारियों को दिए ।

कलक्टर द्वारा चिकित्सालय प्रशासन को यह भी निर्देशित किया गया कि बच्चों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। निरीक्षण के दौरान प्राप्त सुझावों के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पांच रुपए का नोट 48 लाख में बेचने का झांसा देकर ठगों ने 3.66 लाख हड़पे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर में साइबर ठगों ने एक शिक्षिका से 3.66 लाख रुपए की ठगी की। साइबर थाना पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक शमशेर खान ने बताया कि निजी विद्यालय की एक शिक्षिका ने फेसबुक पर ट्रैक्टर की तस्वीर वाले पांच रुपए के नोट को 48 लाख रुपए में बेचने का विज्ञापन देखा था। उन्होंने बताया कि पीड़िता के पास ट्रैक्टर वाला पांच रुपए का नोट था। उसने विज्ञापन पर दिए गए मोबाइल नंबर पर मैसेज भेजा। शमशेर ने बताया कि ठगों ने पीड़िता से नोट की फोटो मांगी। संतुष्ट होने के बाद ठगों ने सबसे पहले प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर 520 रुपए मांगे। पीड़िता से ठगों ने जीएसटी, वाहन शुल्क, खाने पीने तथा अन्य कई प्रकार के शुल्क मांगते हुए तीन लाख 66 हजार रुपए हड़प लिए। राशि अलग अलग खातों में ली गई।

राजस्थान में तेज गर्मी के बीच कई जगह हल्की बूंदाबांदी और बारिश

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर भागों में तेज गर्मी के बीच कई जगह हल्की बारिश या बूंदाबांदी हुई और आंधी चलने से अधिकतम तापमान में आंशिक गिरावट आई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य में कहीं कहीं ऊष्णरात्री दर्ज होने के साथ ही कहीं कहीं पर बादलों की गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हुई। सर्वाधिक 20.6 मिलीमीटर बारिश कोटा में हुई। इसके अनुसार, इस समय ज्यादातर भागों में अधिकतम तापमान मामूली गिरकर 40-42 डिग्री दर्ज किया जा रहा है जो इस मौसम के औसत सामान्य तापमान के आसपास है।

आदित्यनाथ ने उप्र विधानसभा में नारी सशक्तीकरण पर प्रस्ताव रखा; कांग्रेस, सपा पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को नारी सशक्तीकरण पर एक प्रस्ताव रखते हुए विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष वास्तव में महिला अधिकारों का समर्थन करता है तो वह 17 अप्रैल को लोकसभा में नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक को पारित नहीं होने देने को लेकर 'इंडिया' गठबंधन की निंदा करे।

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने वाले संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने पर, आदित्यनाथ ने कांग्रेस और सपा के अलावा तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक समेत अन्य विपक्षी दलों की भी आलोचना की।

उक्त विधेयक की पृष्ठभूमि में ''नारी सशक्तीकरण'' विषय पर उप्र विधानसभा एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है।

मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस को महिला विरोधी करार देते हुए कहा, ''पहले उप्र में नारा चला था कि 'देख सपाई, बिटिया घबराई।' लेकिन पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से राज्य महिला सशक्तीकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाये गए हैं।'' उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पहले सरकारी नौकरियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत थी, जो नौ वर्षों में बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है।

मुख्यमंत्री ने जेल में बंद पूर्व मंत्री आजम खान, पूर्व सांसद एसटी हसन और महाराष्ट्र के सपा नेता अबू आजमी के महिला विरोधी बयानों का जिक्र करते हुए कहा, ''काले कर्मों से जो राजमहल बनाते हैं, इतिहास में वही कलंक बन जाते हैं।'' आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, ''आप महिलाओं के शाप से शापित हैं। 40 साल हो गए और उप्र में कांग्रेस बंजर हो गई है।'' उन्होंने शाहबानो मामले में पार्टी के रुख को लेकर उसकी आलोचना करते हुए कहा कि यदि वह मौलवियों के आगे नहीं झुकती तो कांग्रेस की यह दुर्गति नहीं होती। उन्होंने सपा को आगाह करते हुए कहा कि अगर आप लोग नहीं सुधरेंगे तो आपका भी यही हश्र होगा। उन्होंने कहा, ''आप देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहते हैं।'' आदित्यनाथ ने राज्य में वर्ष 1995 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती से जुड़े गेस्ट हाउस कांड और वर्ष 2005 में विधायक पूजा पाल के पति राजू पाल की हुई हत्या का मामला भी उठाया। उन्होंने सपा पर प्रहार करते हुए कहा, ''आप लोग माफिया के आगे नाक रगड़ते थे। पूजा पाल के आंसुओं को पोछ नहीं पाये।''

योगी आदित्यनाथ ने सदन से महिला स्वावलंबन और सशक्तीकरण में बाधक लोगों को चिह्नित करने का आह्वान किया।

ओडिशा में बलात्कार और हत्याएं 'रोजमर्रा की बात' हो गई है : पटनायक

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्य में बलात्कार और हत्याएं ''रोजमर्रा की बात'' हो गई है। उन्होंने दावा कि राज्य की इस स्थिति के कारण कई देशों ने अपनी महिला नागरिकों को ओडिशा की यात्रा न करने की सलाह दी है। विपक्ष के नेता ने यह बात विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कही। इससे पहले पटनायक ने सदन में 'भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी' विषय पर चर्चा के दौरान अपना वक्तव्य रखा। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा, ''जैसा कि आप देख सकते हैं, राज्य में बलात्कार और हत्याएं रोजमर्रा की बात बन गई है। प्रमुख दूतावासों ने अपनी महिला नागरिकों को ओडिशा न आने की सलाह दी है। क्या यह हमारे राज्य के लिए बेहद शर्मनाक बात नहीं है?''

राज्य में पिछले एक साल के दौरान महिलाओं के साथ बलात्कार और हत्या के कई मामले सामने आए हैं। पटनायक ने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार महिलाओं के लिए कुछ नहीं कर रही है। यह सिर्फ नाटक कर रही है।'' भाजपा जून 2024 में ओडिशा में सत्ता में आई। पार्टी ने राज्य में 24 वर्षों तक शासन करने वाले बीजद को हराकर जीत दर्ज की थी। पटनायक ने सदन के विशेष सत्र में चर्चा में भाग लेते हुए कहा, ''राज्य की भाजपा सरकार को महिलाओं की गरिमा और सशक्तीकरण की बात करने का कोई अधिकार नहीं है। शासन व्यवस्था सिर्फ बयानबाजी और दिखावे तक रह गई है।'' यह सत्र महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के कुछ दिनों बाद बुलाया गया है।

क्योंझर कंकाल प्रकरण की प्रारंभिक जांच में 'बैंक की गलती' का संकेत मिलता है : अधिकारी

क्योंझर/भाषा। ओडिशा के क्योंझर जिले में अपनी मृत बहन के बैंक खाते से पैसे निकालने के लिए एक आदिवासी व्यक्ति द्वारा उसका कंकाल बैंक में ले जाकर उसकी मौत का प्रमाण पेश करने से जुड़े मामले की राज्य सरकार की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बैंक कर्मचारियों ने 'व्यक्ति के साथ सहयोग नहीं किया'। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ओडिशा सरकार ने बृहस्पतिवार को इस मामले की जांच शुरू की। सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था जिसमें 50 वर्षीय जीतू मुंडा कंकाल को अपने कंधे पर रखकर ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा में ले जाते हुए दिखा था। वीडियो वायरल होने से हंगामा मच गया जिसके बाद मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने उत्तरी मंडल के राजस्व संभागीय आयुक्त (आरडीसी) को इस घटना की जांच शुरू करने का निर्देश दिया था।

उत्तरी मंडल के राजस्व संभागीय आयुक्त संग्राम केशरी महापात्रा, क्योंझर जिले के आयुक्त विशाल सिंह और अन्य अधिकारी बृहस्पतिवार को जांच के सिलसिले में ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि महापात्रा ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए बैंक अधिकारियों से पूछताछ की। महापात्रा ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ''बैंक की गलती थी'', और इस पूरे मामले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय खिलाड़ी ईटीपीएल को बढ़ावा दे सकते हैं, लेकिन विकास अहम : डुप्लेसी

नई दिल्ली/भाषा। फ्रेंचाइजी लीग में भारतीय क्रिकेटरों के आकर्षण पर जोर देते हुए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि उनकी मौजूदगी शुरुआत में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) को बढ़ावा दे सकती है, लेकिन लीग की लंबे समय में सफलता लगातार विकास पर निर्भर करेगी। हमवतन हेनरिक क्लासेन के साथ फ्रेंचाइजी के मालिक के तौर पर कदम रखते हुए डुप्लेसी ने माना कि यह बदलाव अब भी उन्हें अवास्तविक सा लग रहा है।

डुप्लेसी ने पीटीआई को बताया, ''मैं अब भी खुद को एक खिलाड़ी के तौर पर ही देखता हूं और मुझे मैदान पर रहना बहुत पसंद है। इसलिए यह सचमुच बहुत रोमांचक है। यह कुछ ऐसा है जिसका हेनरिक क्लासेन और मैं बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। '' उन्होंने कहा, ''जब दुनिया भर में इतनी सारी लीग चल रही हों, तो यह जानना सचमुच बहुत जरूरी हो जाता है कि आखिर ऐसी कौन सी चीजें हैं जो आपको किसी लीग का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करती हैं? '' डुप्लेसी ने कहा, ''और यह निश्चित रूप से हम दोनों के लिए कुछ ऐसा है, जिसे देखकर हमें लगता है कि हम इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। यह कुछ ऐसा है जिसकी शुरुआत बिल्कुल नए सिरे से हो रही है। यह अभी अपने शुरुआती दौर में है। इसमें अपार संभावनाएं हैं। '' मैदान पर अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए, उन्होंने पुष्टि की कि वह टीम की कप्तानी भी करेंगे, ''मैं खेल भी रहा हूं और कप्तानी भी कर रहा हूं। ''

एक ही प्रारूप में खेलने से लय पर असर पड़ता है लेकिन रोहित-कोहली संभाल लेंगे : धवन

नई दिल्ली/भाषा। अपने करियर के आखिर में स्वयं सिर्फ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले शिखर धवन समझते हैं कि मैच की कमी से लय कैसे बिगड़ सकती है लेकिन उन्हें लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि 2027 विश्व कप से पहले उनके पास खेलने के लिए काफी मैच होंगे। स्वयं के अनुभव से सीखते हुए धवन ने माना कि मैच की कमी से खिलाड़ी की लय बिगड़ सकती है। धवन ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''हां, जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं तो आपकी लय बिगड़ जाती है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए खिलाड़ी फिटनेस पर ध्यान देते हैं क्योंकि आप बहुत अधिक मैच नहीं खेल रहे होते। आप रोहित और विराट की बात कर रहे हैं और वे काफी समझदार खिलाड़ी हैं। यह एक चुनौती है लेकिन वे जानते हैं कि चुनौती को मौके में कैसे बदलना है।'' लगभग 7000 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले धवन ने कहा, ''अगर आप उनकी फिटनेस देखें तो विराट हमेशा से फिट रहे हैं लेकिन रोहित ने अपनी फिटनेस में जबरदस्त बदलाव किया है।'' धवन ने कहा कि अगले एकदिवसीय विश्व कप से पहले इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को लय में आने के काफी मौके मिलेंगे।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का भरोसा : स्वाति मालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्वाति मालीवाल ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत का विश्वास जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के दौरान ''भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति'' के कारण लोग भाजपा की ओर आकर्षित हुए हैं। हाल में भाजपा में शामिल हुईं मालीवाल ने कहा, ''मैंने पत्रकारों और जमीनी स्तर पर काम कर रहे लोगों समेत कई लोगों से बात की, और सभी का कहना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा जीत रही है।''

उन्होंने कहा, ''भाजपा इसलिए जीत रही है क्योंकि टीएमसी ने राज्य में बड़े पैमाने पर अराजकता और भ्रष्टाचार फैलाया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए अच्छे काम भी भाजपा की जीत का एक और कारण हैं।'' भाजपा में शामिल होने के अपने फैसले पर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए मालीवाल ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रेरित थीं। राज्यसभा सदस्य ने कहा, '' मैंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय केवल प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के काम से प्रेरित होकर लिया है। पहलगाम में आतंकी हमला होने के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत हमारी सेनाओं ने दुश्मन के इलाके में घुसकर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और आतंकवादियों को मार गिराया।''

मालीवाल ने दावा किया कि देश में नक्सलवाद का जड़ से खात्मा हो चुका है और इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार के नेतृत्व को श्रेय दिया। उन्होंने तीन तलाक पर प्रतिबंध और महिला आरक्षण विधेयक को भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया। मालीवाल ने कहा, ''देश में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो गया है, यह भी मोदी और शाह की वजह से हुआ है। तीन तलाक जैसी प्रथा पर रोक लगाने के लिए कानून लाया गया। इसी तरह महिला आरक्षण विधेयक भी बड़े प्रयासों से लाया गया।''

'विकास योजनाओं का लाभ सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता'

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति और सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचे। उन्होंने सुशासन तथा पारदर्शिता बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने पटना के अधिवेशन भवन में जिला अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ पूरी निष्ठा से जनसेवा के लिए समर्पित रहने का निर्देश दिया। चौधरी ने पोस्ट में कहा, ''सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता सुशासन, पारदर्शिता व जवाबदेही के माध्यम से विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।''

अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर राजनीति कर बेनकाब हो गए सपा नेता: पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर राजनीति कर बेनकाब हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और संविधान की मूल भावना समानता व न्याय पर आधारित है, तुष्टिकरण पर नहीं।

पंकज चौधरी, विधानसभा में 'नारी सशक्तिकरण' पर बुलाए गए एक दिवसीय विशेष सत्र की कार्यवाही को देखने के लिए राज्यपाल दीर्घा में बैठे थे।

चौधरी ने कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण को भी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना

चाहता है जबकि भाजपा इसे नारी सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम मानती है। उन्होंने कहा, हमारा स्पष्ट मत है कि हर वर्ग की महिलाओं को समान अवसर और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी मिलनी चाहिए।

चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। यह केवल विधेयक नहीं, महिलाओं के सम्मान, अधिकार और भागीदारी को सुनिश्चित करने का संकल्प है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्ष को डर है कि महिला आरक्षण प्रभावी होने से उसकी तुष्टिकरण की राजनीति खत्म हो जाएगी और विकास की राजनीति को मजबूती मिलेगी।

चौधरी ने कहा, ''विपक्षी दल वर्षों तक महिलाओं के नाम पर सिर्फ राजनीति करते रहे, अधिकार देने का साहस नहीं दिखा सके। भाजपा ने न केवल कानून पारित किया, बल्कि योजनाओं से महिलाओं को आत्मनिर्भर भी बनाया।'' उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण से लोकतंत्र अधिक समावेशी और सशक्त बनेगा।

चौधरी ने दोहराया कि भाजपा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनता से महिला सशक्तिकरण के इस ऐतिहासिक प्रयास का समर्थन करने और समावेशी-विकसित समाज के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया।

एग्जिट पोल के अनुमान टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए ''भाजपा के निर्देश पर'' एग्जिट पोल के पूर्वानुमान प्रसारित किए गए। उन्होंने भरोसा जताया कि सत्तारूढ़ पार्टी राज्य चुनावों में 294 विधानसभा सीटों में से 226 से अधिक सीटें जीतेगी।

चार मई को होने वाली मतगणना से पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में बनर्जी ने दावा किया कि टेलीविजन चैनल ''भाजपा कार्यालय से प्रसारित'' चुनावी परिणामों के अनुमानों को प्रसारित कर रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अधिकतर एग्जिट पोल ने 294 सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बढ़त मिलने का अनुमान जताया है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आरोप लगाया, ''टेलीविजन पर जो दिखाया जा रहा है, उसे दोपहर एक बजकर आठ मिनट पर भाजपा कार्यालय से प्रसारित किया गया था। इसे प्रसारित करवाने के लिए पैसे दिए गए थे। मेरे पास इसकी पुख्ता जानकारी है। वे जोर देकर कह रहे हैं कि ऐसा ही होगा।''

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि एग्जिट पोल परिणाम घोषित होने से पहले लोगों की राय को प्रभावित करने की ''एक बड़ी साजिश'' का हिस्सा हैं।

अपनी पार्टी की जीत का भरोसा जताते हुए बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस 294 सदस्यीय विधानसभा में आराम से दो-तिहाई का आंकड़ा पार कर लेगी। उन्होंने कहा, हम 226 सीटों का आंकड़ा पार कर लेंगे। हम शायद 230 सीटें भी पार कर लें। मुझे भारी जनादेश पर पूरा भरोसा है।''

बनर्जी ने कहा, ''जिन्होंने बंगाल को दबाने की कोशिश की, उन्हें जनता के वोट ने दबा दिया है।'' बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार भी जताया और कहा कि उन्होंने, लगातार संघर्ष किया और हमलों का सामना किया।

टीएमसी प्रमुख ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बल ''भाजपा के एजेंट'' के रूप में काम कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, अमित शाह के सीधे निर्देशों पर, चुनाव प्रक्रिया में केंद्रीय बल पश्चिम बंगाल में भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

उप्र: बदायूं में फर्जी आधार कार्ड गिरोह चलाने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

बदायूं/भाषा। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड और जाली दस्तावेज तैयार करने में कथित रूप से संलिप्त एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई हजरतपुर थाना क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी फर्जी पहचान दस्तावेज तैयार करने के लिए अवैध कार्यालय संचालित करते पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कादर चौक थाना क्षेत्र के मुंशी नगला निवासी फरमान अली, अलापुर थाना क्षेत्र के उपरेला निवासी अनुज कुमार और उझानी थाना क्षेत्र के सिरसौली निवासी ब्रजनंदन के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से एक फिंगरप्रिंट स्कैनर, तीन लैपटॉप, एक हार्ड डिस्क, एक स्कैनर, बड़ी संख्या में आधार कार्ड तथा कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह लंबे समय से फर्जी पहचान दस्तावेज तैयार करने, लोगों को गुमराह करने और अवैध तरीके से धन अर्जित करने में संलिप्त था। थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मताधिकार खतरे में है, इसे मौलिक अधिकार बनाने का समय आ गया है: रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को कहा कि मताधिकार खतरे में है और अब समय आ गया है कि इसे मौलिक अधिकार बनाया जाए। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग के कई कदमों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'कंप्रोमाइज्ड' हैं और चुनावों में उनकी भूमिका तटस्थ पर्यवेक्षक की नहीं, बल्कि एक 'प्लेयर' की है।

रमेश ने कहा कि कुमार को पद से हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस विपक्ष ने फिर से दिया है और इसके दोबारा खारिज होने पर फिर नोटिस दिया जाएगा। उनका कहना था, ''विपक्ष नोटिस देता रहेगा।'' रमेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग इतना पक्षपाती और 'कंप्रोमाइज़्ड' कभी नहीं रहा, जितना ज्ञानेश कुमार के तहत है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कुमार चुनावों में एक तटस्थ पर्यवेक्षक नहीं, बल्कि 'प्लेयर' हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''मेरा तो मानना है कि वक्त आ गया

है कि मतदान का अधिकार मौलिक अधिकार बनना चाहिए। यदि यह मौलिक अधिकार बनता है तो आप न्याय के लिए गुहार लगा सकते हैं।

रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि संविधान सभा में बहस के दौरान मताधिकार को मौलिक अधिकार बनाने के विचार पर चर्चा हुई थी और भीम राव अंबेडकर इसके पक्ष में थे।

रमेश का कहना था कि जिस तरह निर्वाचन आयोग ने काम किया है उससे यह जरूरी हो गया कि मताधिकार को मौलिक अधिकार बनाया जाए। उन्होंने एसआईआर का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मताधिकार खतरे में है।

रमेश ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि विदेशी नागरिक भारत के मतदाता नहीं हो सकते, लेकिन सवाल यह है कि एसआईआर की कवायद के बाद कितने विदेशी नागरिकों की पहचान की गई।

स्पिनर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे: मुथैया मुरलीधरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है।

मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है। मुंबई

इंडियन्स के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा, ''घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था। आजकल यह मुख्य बात नहीं रही क्योंकि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोच रहा है। वे वनडे क्रिकेट खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में भी वे सिर्फ तेज गेंदबाजी करने और गेंद में विविधता लाने की कोशिश करते हैं, उसे टर्न कराने की नहीं। क्योंकि उन्हें कम उम्र में यह काबिलियत नहीं मिली होती इसलिए वे 18 या 19 साल की उम्र में आकर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर सकते क्योंकि उनकी 'मसल मेमोरी' (शारीरिक आदतें) पहले से ही वैसी बन चुकी होती हैं।''

मुरलीधरन ने कहा, ''जब आप 10, 11 या 12 साल के होते हैं तब गेंद को टर्न कराने की कोशिश करें। हमने इसी तरह सीखा था। बल्लेबाज को छकाने के लिए हमें गेंद को टर्न कराना जरूरी होता है।''

ड्रेसिंग रूम के अंदर वेपिंग करने के लिए पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर बृहस्पतिवार को मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया गया। उन पर यह जुर्माना मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान कैमरे पर वेपिंग (ई-सिगरेट) करते पकड़े जाने के बाद खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगाया गया। मंगलवार रात रॉयल्स की पारी के दौरान पराग के इस काम की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई।

पीटीआई को पता चला है कि मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच खत्म होने के तुरंत बाद मैच रेफरी अमित शर्मा को इस मामले की शिकायत नहीं की थी। उन्होंने ऐसा तब किया जब उन्होंने इसका वीडियो सबूत देखा। इसके बाद शर्मा ने आईपीएल के नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पराग को दोषी पाया। लेवल एक के अपराधों के लिए मैच फीस में से 25 प्रतिशत की कटौती और एक डिमेरिट अंक का प्रावधान है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, ''रियान ने अपराध और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया है।'' बयान के अनुसार, ''आईपीएल की साख को बनाए रखने के लिए बीसीसीआई गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।''

सुविचार

किनारे पर बैठने से कभी मोती नहीं मिलते, गहराई में उतरने के बाद ही सफलता के राज खुलते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेग के नाम पर मनमानी क्यों?

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने किन्नर समुदाय के सदस्यों द्वारा मांगलिक अवसरों पर बधाई या नेग मांगे जाने की प्रथा के बारे में अत्यंत महत्त्वपूर्ण निर्णय दिया है। किन्नरों के पास ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है, जिसके तहत वे किसी से जबर्दस्ती रुपए या तोहफे मांग सकें। हाल के वर्षों में ऐसे मामले काफी चर्चा में रहे हैं, जब किन्नर समुदाय के कुछ सदस्यों द्वारा लोगों से अभद्रता की गई। कई बार तो ऐसी मांगें अप्रिय घटनाओं का रूप ले लेती हैं। पिछले साल मार्च में एक मामला देशभर में काफी चर्चा में रहा था, जब मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में चलती ट्रेन में किन्नरों के समूह ने एक युवक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार डाला था। युवक का अपराध सिर्फ इतना था कि उसने किन्नरों को रुपए नहीं दिए थे। कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई यूं ही किसी को क्यों दे? क्या किन्नर समुदाय का सदस्य होने मात्र से किसी को यह अधिकार मिल जाता है कि वह दूसरों की कमाई में अपना हिस्सा मांगे? कई जगह किन्नरों की हरकतें मर्यादा को पार चुकी हैं। जब कोई व्यक्ति उन्हें शालीनतापूर्वक मना करता है तो उससे अभद्रता करते हैं। उसके आपत्ति जताने पर धमकाते हैं, अश्लील संकेत करते हैं। अगर किन्नरों का पूरा झुंड होता है तो उस व्यक्ति पर हावी होने की कोशिश करते हैं। क्या यह ज्यादती नहीं है? किसी व्यक्ति को क्या अधिकार है कि वह दूसरों से ऐसा व्यवहार करे? यह सब बंद होना चाहिए। किन्नर भी इन्सान हैं। उन्हें गरिमापूर्वक जीवन जीने और कमाने का अधिकार है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता, लेकिन उनमें से जो सदस्य रुपए-तोहफे मांगने के लिए मनमानी पर उतर आता है, वह सरासर गलत है।

सिर्फ इस आधार पर कि किन्नर समुदाय के लोग वर्षों से बधाई या नेग मांगते आ रहे हैं, यह उनका कानूनी अधिकार नहीं हो जाता है। लोग अपनी खुशी से कुछ दे देते हैं, यह अलग बात है। इस तथ्य को आधार बनाकर लोगों पर धौंस जमाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इससे टकराव बढ़ता है। कई बार भयानक नतीजे निकलते हैं। कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का एक मामला सुर्खियों में रहा था। वहां किन्नरों ने एक नवजात को करीब तीन घंटे तक अपने पास रखा और ढोल बजाते रहे। वे इस बात पर अड़ गए थे कि मोटी रकम मिलेगी, तो ही बच्चा वापस देंगे। बच्चे के माता-पिता उनकी मांग पूरी नहीं कर सकते थे। इस दौरान बच्चे की तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में किन्नर समुदाय के सदस्यों ने एक परिवार से नेग मांगने के नाम पर बहुत अभद्रता की। जब परिवार ने मांगी गई रकम देने से इन्कार किया तो किन्नर नहीं माने। वे अश्लील हरकतें करने लगे। आखिर में पांच हजार रुपए लिए और महिला की सोने की बाली उतरवा ली। जयपुर के सिंधी कैंप इलाके में एक युवक बस से उतरा। अचानक एक किन्नर ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। उसने युवक की जेब से रुपए निकाल लिए। क्या यह लूट-खसोट नहीं है? युवक ने दूसरी जेब में भी कुछ रुपए रखे थे। अगर वे किन्नर की भेंट चढ़ जाते तो उसके पास किराया तक न बचता। कई ट्रेनों में किन्नरों की खूब मनमानी चलती है। अगर कोई व्यक्ति उन्हें रुपए देने से इन्कार करता है तो उसे जमकर खरी-खोटी सुनाते हैं और अपमानित करते हैं। क्या टिकट लेने के बाद ट्रेन में ऐसा अनुभव होना उस यात्री के अधिकारों का हनन नहीं है? इस संबंध में रेलवे प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिएं। किन्नर समुदाय के सदस्यों की भी जिम्मेदारी है कि वे अन्य लोगों की तरह कोई हुनर सीखें और अपना कामकाज करते हुए सम्मानजनक तरीके से जीवन बिताएं। किसी को परेशान न करें।

ट्वीटर टॉक

रोज़ाना पेड़ लगाने के संकल्पों की सीरीज़ में, आज मैंने स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों के साथ बुधनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम वासुदेव में स्थित रामानंद आश्रम की झोपड़ी में एक पौधा लगाया, जिससे प्रकृति माँ के प्रति अपना फ़र्ज़ पूरा हुआ, जो हमारे लिए माँ जैसी है।

-शिवराजसिंह चौहान

सिख पंथ के तीसरे गुरु, श्री गुरु अमर दास जी के प्रकाश पर्व पर दिल से सलाम और बधाई। गुरु अमर दास जी ने अपने जीवन में बराबरी, सेवा और विनम्रता के ऊंचे आदर्श बनाए। समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाई।

-ओम बिरला

अलवर ज़िले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा बहुत दुखद और दिल दहला देने वाला है।ङ्क्षइस मुश्किल समय में, मेरी गहरी संवेदनाएं दुखी परिवारों के साथ हैं। भगवान उन्हें यह बहुत बड़ा दुख सहने की ताकत दे। घायल नागरिकों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूँ।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सुधार की कला

एक बार एक युवा संगीतकार ने जर्मन संगीतकार लुडविग वान बीथोवेन से कहा कि वह प्रतिभाशाली लोगों जैसा संगीत कभी नहीं रच पाएगा, क्योंकि उसके पास जन्मजात वरदान नहीं है। बीथोवेन ने उसे अपने साथ अभ्यास-कक्ष में बुलाया और कई घंटों तक केवल एक ही धुन को बार-बार सुधारते रहे। युवक ऊब गया और बोला, 'इतने महान कलाकार होकर भी आप एक ही भाग पर इतना समय क्यों देते हैं?' बीथोवेन ने उत्तर दिया, 'क्योंकि महानता अक्सर वहीं छिपी होती है जहां लोग जल्दी आगे बढ़ जाना चाहते हैं।' फिर उन्होंने समझाया कि प्रतिभा आरंभ दे सकती है, पर उत्कृष्टता धैर्यपूर्ण पुनरावृत्ति, अनुशासन और सूक्ष्म सुधारों से बनती है।' उन्होंने युवक से कहा कि वह प्रतिदिन थोड़ा-सा बेहतर होने का लक्ष्य रखे, दूसरों जैसा बनने का नहीं। कुछ महीनों बाद युवक ने पाया कि उसकी कला में गहराई आ गई है।

सामयिक

घुसपैठ से मुक्ति के लिए बंगाल में बदलाव की लहर

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

इस बार पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने जबरदस्त मतदान करके इतिहास रच दिया है। साथ ही अंतिम चरण के मतदान के बाद एग्जिट पोल ने बंगाल और असम में भाजपा की जीत तय कर दी है। बंगाल में तृणमूल को पराजय का सामना करना पड़ता है तो ममता बनर्जी के लिए यह न केवल बड़ा झटका होगा, बल्कि तृणमूल का अस्तित्व वामदलों की तरह रसातल में डूबता दिखाई देगा। दरअसल असम एवं बंगाल में सबसे बड़ा कोई मुद्दा रहा है तो वह घुसपैठ और इन राज्यों में बढ़ता इस्लामीकरण है। अनेक सीमांत जिलों में घुसपैठ ने दोनों राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व को बिगाड़ दिया है। कई जिलों में मुस्लिमों की आबादी 90 से 95 फीसदी तक पहुंच गई है। इन बदतर हुए हालातों के प्रति नरेंद्र मोदी और अमित षाह ने मतदाताओं को जागरूक किया। हिंदू संदेशखाली और आरजीकर में हुए महिला दुष्कर्मों के चलते ध्रुवीकृत हुए। भाजपा ने इन मुद्दों को भुनाने की दृश्टि से आरजीकर अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देबनाथ को और संदेशखाली आंदोलन की चेहरा रहीं रेखा पात्र को उम्मीदवार बनाया था। इन महिलाओं की उम्मीदवारी से बंगाल की महिलाओं में संवेदना जगी और बदलाव की लहर बनाने में उनकी प्रमुख भागीदारी रही।

> **ओपीनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंषा टटोलने की कोषिश हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पश्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोशिश है। ओपीनियन पोल बाईदवे षुल्क चुकाकर प्रायोजित ढ़ंग से कराए जा सकते हैं, इसलिए क्योंकि इनके प्रकाशित व प्रसारित होने के बाद मतदाता के रुख को प्रभावित किया जा सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान के चलते कराए जाते हैं, इसलिए ये वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान माने जाते हैं। अतएव कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता।**

इन सब बिंदुओं के उभार ने बंगाल में कुल मतदान को 92.47 प्रतिशत तक पहुंचाकर लोकतंत्र की गरिमा को महिमामंडित करने का काम कर दिया। इसी का परिणाम है कि छह में से पांच एग्जिट पोल बंगाल में भाजपा को स्पष्ट बहुमत दे रहे हैं। ये पोल असम में दूसरी बार भाजपा को एकतरफा जीत का ऐलान कर रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में द्रमुक की जीत लगभग तय है। केरल में कांग्रेस को हरी झंडी दिखाई है। पुडुचेरी में भाजपा को कांग्रेस से बहुत आगे बता दिया है। अर्थात पांच राज्यों में से तीन में भाजपा का डंका बजने जा रहा है। मतदान के दौरान निर्वाचन आयोग पूरी तरह चौकन्ना रहा। जहां से भी गड़बड़ी की खबर मिली, तुरंत एक्शन लिया। इस कारण लंबे समय तक अराजक तत्वों द्वारा मतदान रोकना संभव नहीं हो पाया। किसी भी झड़प को बड़े संघर्ष का रूप लेने से पहले ही केंद्रीय बलों के जवान उसे नियंत्रित करने में सफल दिखे। पहली बार अमल में लाई गई त्वरित प्रतिक्रिया (रिस्पांस) दल ने भी अपने दायित्व का पूर्ण रूप से दायित्व का पालन किया। बावजूद सच्चाई का पता चार मई को आने वाले परिणामों से ही चलेगा।

बंगाल के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि न तो बमों के धमाके हुए और न ही बंदूकों से गोलियां गरजीं। अतएव न रक्त बहा और न ही कोई मौत हुई। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो स्वतंत्र मतदान शांतिपूर्ण रहा। ऐसा 2.40 लाख सैन्य बलों की तैनाती के चलते संभव हुआ। इसीलिए बंगाल में पहली बार लगा कि सही मायनों में लोकतंत्र के इस पर्व में सभी समुदाय के लोग सद्भाव के साथ षामिल हुए है। बावजूद बौद्धिक पाखंडी बढ़े मतदान को ममता की वापसी बता रहे हैं। दरअसल बंगाल में इसके पहले हुए चुनावों में तृणमूल के कार्यकर्ता और अवैध घुसपैठिए अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हिंदुओं को मतदान नहीं करने देते थे। इस बार सेना की कठोरता के चलते हिंदुओं ने ध्रुवीकृत होकर मतदान में भागीदारी की। इसलिए इस बार बंगाल में पिछली बार की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक वोट पड़े। ये वोट भाजपा के पक्ष में जाते दिख रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के जरिए भी घुसपैठ करके अवैध मतदाता बने करीब 92 लाख मतदाताओं को मत से वंचित कर दिया है। इनमें से बढ़ा प्रतिशत तृणमूल के समर्थकों का रहा है, क्योंकि ये लोग जानते थे कि भाजपा आई तो बंगाल से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए मुस्तैद हो जाएगी। तृणमूल के कार्यकर्ता भाजपा और वामदलों के समर्थक मतदाताओं को इसलिए मतदान करने से रोकते थे, क्योंकि यदि ममता हारतीं हैं तो उनके निजी हित प्रभावित होंगे। ममता ने निष्ठावान अनुयायिओं को राशन की सरकारी दुकानों से लेकर नगरीय निकायों व ग्राम पंचायतों से मिलने वाले जायाज-नाजायाज लाभों से जोड़ा हुआ है। इसलिए उनके सामने आजीविका के संसाधनों को बचाए रखने के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बना रहता है। भाजपा चूंकि वामदलों की तरह वामदलों की तरह अनुशासन कार्यकर्ताओं का राजनीतिक दल है। संघ के जमीनी स्वयंसेवकों का भी उसे सहयोग मिलता है। ये लोग अपने दल का अस्तित्व बनाए रखने की चिंता के चलते पार्टी के हितों की रक्षा करने को तत्पर रहते हैं।

ओपीनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंषा टटोलने की कोषिष हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पश्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोशिश है। ओपीनियन पोल बाईदवे षुल्क चुकाकर प्रायोजित ढ़ंग से कराए जा सकते हैं, इसलिए क्योंकि इनके प्रकाशित व प्रसारित होने के बाद मतदाता के रुख को प्रभावित किया जा सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान के चलते कराए जाते हैं, इसलिए ये वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान माने जाते हैं। अतएव कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता। मतदान के बड़े प्रतिशत को अब तक सत्तारूढ़ दल के खिलाफ व्यक्तिगत असंतुष्टि और व्यापक असंतोश के रूप में देखा जाता था, लेकिन मतदाता में आई बड़ी जागरूकता ने परिदृष्य को बदला है, इसलिए इसे केवल नकारात्मकता की तराजू पर तौलना बड़ी भूल होगी ? सकारात्मक दृष्टि से देखने की भी जरूरत है। मध्यप्रदेश विधानसभा-2023 के चुनाव में लाडली बहना योजना के चलते महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया था, जो भाजपा के पक्ष में स्पष्ट दिखाई दे रहा था। इसलिए मध्यप्रदेश में भाजपा चुनाव जीत पाई थी।

बड़े मत प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर देता है। हालांकि फिलहाल हमारे देष में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। निकट भविश्य में इस उम्मीद की पूरी होने की संभावना भी नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जतीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कलांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि जब मतदान प्रतिषत 80 से करीब 93 प्रतिशत तक होने लगा है। अतएव अगले चुनावों में हम देखेंगे कि जाएगा तो जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत लगभग खत्म हो जाएगी। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाएगा। लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाएगी। एसआईआर के जरिए देश से घुसपैठिए बाहर कर दिए जाते हैं तो इस अवैध घुसपैठ से लाभ उठाने वाले नेताओं की भूमिका को भी जनता नकार देगी। यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी। क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होगा। जाहिर है, ऐसे हालात भविष्य में निर्मित होते हैं तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करने को मजबूर होगी, जो समाजिक न्याय और समान अवसर की वकालात करता है। बड़ा मतदान प्रतिशत ही ऐसा प्रमुख कारण हैं, जिसके चलते एग्जिट पोल इकतरफा नहीं रह गए हैं। क्योंकि इसके सर्वे के नमूने का प्रतिशत बहुत कम होता है। इस आधार पर बड़े मतदाता समूह की मंशा की पड़ताल करना और व्यावहरिक नतीजे पर पहुंचना बहुत कठिन काम है। वैसे भी अब कई सर्वे एजेंसियां क्षेत्रीय पत्रकारों से फोन पर बात करके नतीजों का अनुमान लगाने का तरीका अपना रही हैं। यह कार्यालय सर्वे की वैज्ञानिक प्रणाली को नकारती है। दरअसल क्षेत्रीय पत्रकार किसी न किसी दल या प्रत्याशी से प्रभावित रहते हैं और उसी प्रभाव के चलते वे अपनी राय व्यक्त कर देते हैं, जिसे तटस्थ नहीं कहा जा सकता है। किंतु इस बार के एग्जिट पोल अनुमान के निकट इसलिए खरे उतरेंगे, क्योंकि मतदाताओं का दलगत विभाजन पांचों राज्यों में स्पष्ट दिखाई दिया है।

नजरिया

बुद्ध पूर्णिमा : जब मानवता को मिला करुणा का प्रकाश

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 1 मई को है। माना गया है कि 563 ईस्वी पूर्व वैशाख मास की पूर्णिमा के दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। वैशाख मास की पूर्णिमा को ही 35 वर्ष की आयु में उन्होंने बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया। वैशाख पूर्णिमा को ही 80 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध ने उत्तर प्रदेश में कुशीनगर में हिरण्यवती नदी के तट पर महापरिनिर्वाण प्राप्त किया। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में वैशाख मास की पूर्णिमा को 'त्रिविध पावन पर्व' भी कहा गया है और संभवतः यही वजह है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। मान्यता है कि गौतम बुद्ध ने ही आज से करीब ढाई हजार वर्ष पूर्व बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में महात्मा बुद्ध ने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए। उनका अंतिम उपदेश था कि सृजित वस्तुएं अस्थायी हैं, अतः विवेकपूर्ण प्रयास करो। उनका कहना था कि मनुष्य की सबसे उच्च स्थिति वही है, जिसमें न तो बुढ़ापा है, न किसी तरह का भय, न चिन्ताएं, न जन्म, न मृत्यु और न ही किसी तरह के कष्ट और यह केवल तभी संभव है, जब शरीर के साथ-साथ मनुष्य का मन भी संयमित हो, क्योंकि मन की साधना ही सबसे बड़ी साधना है।

गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। शाक्य वंश से संबंध होने के कारण उन्हें शाक्यों का संत' भी कहा गया। सिद्धार्थ के पिता राजा शुद्धोधन थे, जो कपिलवस्तु के शाक्यवंशीय राजा थे। कपिलवस्तु हिमालय की तराई में एक विशाल गणराज्य था, जो आज नेपाल में है। राजा शुद्धोधन की दो रानियां थीं, जिनमें महामाया बड़ी और प्रजापति गौतमी छोटी थीं। रानी महामाया जब गर्भवती हुईं तो उस समय के शाक्य समाज के रीति रिवाजों के अनुसार प्रसव के लिए वह प्रजापति गौतमी के साथ अपने मायके देवदह जा रही थीं, किन्तु रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और लुम्बनी वन में ही शाल के दो वृक्षों के बीच उन्होंने एक अति सुंदर तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया। पुत्र जन्म के पश्चात दोनों रानियां कपिलवस्तु लौट आईं। इसी बालक का नाम सिद्धार्थ रखा गया।

> **बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे, लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया, परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया और एक दिन वे मन की शांति पाने के उद्देश्य से भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोह-माया और ममता का परित्याग कर पूर्ण संन्यासी बन गए।**

सिद्धार्थ के जन्म के कुछ ही समय पश्चात एक बहुत पहुंचे हुए संन्यासी ने राजा शुद्धोधन को बताया कि यह बालक या तो बहुत महान चक्रवर्ती सम्राट बनेगा या फिर समस्त सांसारिक मोह-माया का परित्याग कर एक महान संन्यासी बनेगा और विश्व का महान उद्धारक साबित होगा। बालक के संन्यासी बनने की बात सुनकर राजा शुद्धोधन बहुत चिंतित हुए। उन्होंने सिद्धार्थ को मोह-माया और सांसारिक सुखों की ओर आकर्षित करने के लिए उनके समक्ष भोग विलास तथा ऐश्वर्य के समस्त संसाधनों का ढेर लगा दिया, लेकिन सिद्धार्थ हमेशा शांत और ध्यानमग्न ही रहा करते। अतः यही सोचकर कि कहीं सिद्धार्थ का मन सांसारिक सुखों से उचाट होकर पूरी तरह से वैराग्य में ही न लग जाए, राजा शुद्धोधन ने कम उम्र में ही एक अतिसुंदर, सुशील, अति तेजस्वी सर्वगुण सम्पन्न राजकन्या यशोधरा के साथ उनका विवाह कर दिया। विवाह के पश्चात सिद्धार्थ गौतम को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और पुत्र का नाम रखा गया राहुल। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे, लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया, परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया और एक दिन वे मन की शांति पाने के उद्देश्य से भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोह-माया और ममता का परित्याग कर पूर्ण संन्यासी बन गए। बुद्ध ने अपने घर-परिवार का परित्याग कर दिया और सत्य तथा ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप व उपवास किए और सूखकर कांटा हो गए, किन्तु उन्हें ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। अतः उन्होंने एक दिन संन्यास छोड़ दिया और उनके शिष्य भी एक-एक कर उनका साथ छोड़ गए।

उसके बाद गौतम बुद्ध ने शारीरिक स्वास्थ्य तथा मानसिक शक्ति प्राप्त की और फिर वे बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जाग्रत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो वे महात्मा बुद्ध के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगे और इन शिष्यों ने ही उन्हें पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह 'वृक्ष बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को महात्मा बुद्ध' कहा गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अदालत ने करिश्मा के बच्चों की अर्जी पर संजय कपूर की संपत्ति को संरक्षित रखने का आदेश दिया

नयी दिल्ली/भाषा

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिवंगत संजय कपूर की संपत्तियों को संरक्षित रखने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया। अदालत ने कहा कि अभिनेत्री करिश्मा कपूर के साथ संजय के विवाह से हुए बच्चों द्वारा उठाए गए सभी संदेहों को उनकी तीसरी पत्नी प्रिया कपूर को पूरी तरह स्पष्ट करना होगा, तभी कथित अंतिम वसीयत को स्वीकार किया जा सकेगा। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने करिश्मा कपूर के बच्चों द्वारा दायर एक अर्जी पर अंतरिम आदेश पारित किया, जिसमें प्रिया कपूर को संजय कपूर की कथित 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को बेचने से रोकने का अनुरोध किया गया है। यह अंतरिम अर्जी बच्चों द्वारा उस मुकदमे में दायर की गई, जिसमें उन्होंने अपने दिवंगत पिता की संपत्तियों से संबंधित कथित वसीयत को चुनौती दी है।

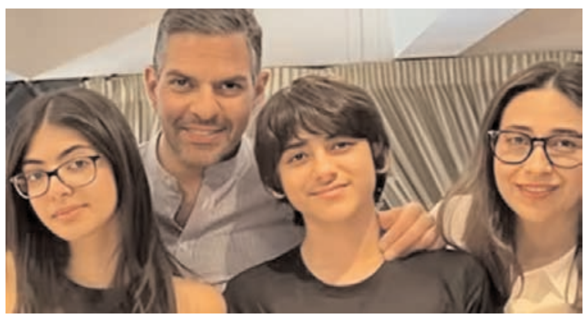

न्यायाधीश ने कहा, ''मामले की सुनवाई और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के परीक्षण के बाद अदालत का यह मत है कि उक्त दस्तावेज़ को अंतिम वसीयत के रूप में स्वीकार करने से पहले वादी पक्ष के सभी जायज संदेहों को प्रतिवादी संख्या एक (प्रिया कपूर) द्वारा पूरी तरह से दूर किया जाना आवश्यक है।'' अदालत ने कहा, ''वादी पक्ष ने प्रथम दृष्टया यह साबित कर दिया है कि मुकदमे के निपटारे तक संबंधित संपत्तियों की रक्षा और संरक्षण किया जाना आवश्यक है।'' न्यायमूर्ति सिंह ने आदेश दिया कि संजय कपूर की तीन भारतीय कंपनियों में मौजूद इक्विटी शेयरहोल्डिंग में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकता और कलाकृतियों सहित उनकी निजी संपत्तियों की बिक्री पर भी रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि यदि संपत्ति को संरक्षित नहीं किया जाता है और प्रिया कपूर अंततः वसीयत की वैधता और प्रामाणिकता को साबित करने में विफल रहती हैं, तो संजय कपूर के करिश्मा से हुई शादी से पैदा बच्चे और उनकी मां रानी कपूर अपने वैध हिस्से से वंचित हो सकते हैं। न्यायाधीश ने कहा, ''मैंने तीन भारतीय कंपनियों में इक्विटी शेयरहोल्डिंग को किसी भी तरह से हस्तांतरित, बिक्री, बंधक, परिसमापन या अन्य किसी भी प्रकार से बदलने पर रोक लगा दी है।

मैंने पीएफ (भविष्य निधि) की राशि निकालने पर भी रोक लगाई है। तीनों खातों से बच्चों के प्रति दायित्वों के निर्वहन के अलावा किसी भी प्रकार की धनराशि निकालने पर रोक लगाई गई है।'' अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने अचल विदेशी संपत्तियों के संबंध में आदेश पारित नहीं किया है। संजय कपूर का 12 जून 2025 को इंग्लैंड में एक पोलो मैच के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद निधन हो गया। बताया जाता है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था।

पाकिस्तान : सिंध प्रांत के हिंदू छात्रों को उनके धर्म से जुड़ी पुस्तकें मुहैया कराई जाएंगी

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू छात्रों को उनके समुदाय की धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ सामाजिक असहिष्णुता को रोका जा सके। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।सिंध के शिक्षा सचिव जाहिद अब्बासी ने पुष्टि की कि हिंदू छात्रों के लिए धार्मिक पाठ्यपुस्तकों की खरीद का आदेश दे दिया गया है। उन्होंने कहा, ''तीन हिंदू धार्मिक पाठ्यपुस्तकें नए शैक्षणिक सत्र से तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के लिए उपलब्ध होंगी।'' अब्बासी ने कहा कि यह पहल सिंध शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा की गई है और इन पुस्तकों को सूबे के सरकारी विद्यालयों में पढ़ाया जाएगा।

हिंदू सामाजिक कल्याण संगठन 'प्रेम सागर संस्था' कराची, नए शैक्षणिक वर्ष के लिए पुस्तकों का खर्च वहन करेगा।

उद्घाटन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा गुरुवार को नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा के उद्घाटन के दौरान।

गर्मी के मौसम में आंखों का पानी न सूखे : चिकित्सकों की सलाह

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत पूरे उत्तर भारत में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर चिकित्सकों ने कम्प्यूटर का इस्तेमाल करने वाले लोगों को हर 20 मिनट में 20 सेकेंड के लिए 20 फुट दूर देखने, बार-बार पलक झपकाने और ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी है ताकि आंखों की नमी बनी रहे।

चिकित्सकों का कहना है कि पिछले करीब एक पखवाड़े में आंखों में जलन, लालिमा और एलर्जी के मामलों में तकरीबन 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सेंटर फॉर साइट ग्रुप ऑफ आई हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह सचदेवा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,जब हम मोबाइल या लैपटॉप स्क्रीन पर लंबे समय तक काम करते हैं, तो हमारी पलक झपकाने की दर सामान्य से काफी कम हो जाती है। आमतौर पर एक व्यक्ति प्रति मिनट 15-20 बार पलक झपकाता है, लेकिन स्क्रीन देखते समय यह घटकर छह से आठ बार रह जाता है। पलक कम झपकाने से आंखों की सतह पर मौजूद आंसुओं की परत तेजी से सूखने लगती है, जिससे आंखों में सूखापन, खुजली और जलन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि लू के दौरान वातावरण में नमी कम हो जाती है और जब गर्म, शुष्क हवाएं चलती हैं तो यह स्थिति आंखों की नमी को और तेजी से खत्म करती है।

जश्न

गाजियाबाद के नेहरू नगर में होली चाइल्ड स्कूल में काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के क्लास 10 और क्लास 12 के रिजल्ट आने के बाद स्टूडेंट्स जश्न मनाते हुए।

महाराजा चार्ल्स को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए सहमत करूंगा : ममदानी

न्यूयॉर्क/भाषा। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय को भारत को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए सहमत करेंगे।

चार्ल्स अपनी पत्नी एवं महारानी कैमिला के साथ फिलहाल अमेरिका की राजकीय यात्रा पर हैं। वे दोनों यात्रा के दूसरे दिन न्यूयॉर्क सिटी पहुंचे।

ममदानी ने बुधवार को चार्ल्स से मुलाकात से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगर मुझे महाराजा से अलग से बात करने का मौका मिलता है, तो मैं उन्हें कोहिनूर हीरा (भारत को) लौटाने के लिए संभवत: सहमत करूंगा। उन्होंने इस सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की कि वह महाराजा से मुलाकात में किन मुद्दों पर बात करेंगे।कुछ घंटों बाद ममदानी ने 9/11 स्मारक पर चार्ल्स से मुलाकात की, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि उन्होंने चार्ल्स के साथ कोहिनूर मुद्दे पर चर्चा की या नहीं।

चार्ल्स और कैमिला ने 11 सितंबर 2001 को अमेरिका पर हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की स्मृति में बनाए गए 9/11 स्मारक का दौरा किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

इससे पहले, चार्ल्स ने मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की संयुक्त बैठक को संबोधित किया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में चार्ल्स और कैमिला के सम्मान में राजकीय रात्रिभोज आयोजित किया।

संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई, 'मैं सिंगल हूं, लेकिन मजबूत हूं'

मुंबई/एजेन्सी

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। आईएएनएस संग बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुईं। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा, ''हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं। अगर कोई कलाकार अपने दर्शकों को धोखा देता है या सिर्फ दिखावे के लिए काम करता है, तो उसका करियर ज्यादा लंबा नहीं चलता। इसलिए कलाकार को हमेशा ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए।''

आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं; बाहरी दिखावे की जरूरत नहीं : संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में सुंदर दिखने की होड़ ने आम लोगों से लेकर सितारों तक को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। परफेक्ट फिगर पाने के लिए डाइटिंग, जिम और खाने-पीने पर सख्त पाबंदियां अब जीवन का हिस्सा बन चुकी है। इसी मुद्दे को हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में दिखाया गया है। फिल्म में अभिनेत्री संदीपा धर ने 'नैना' नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो सोशल मीडिया और समाज के दबाव में परफेक्ट दिखने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देती हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक सीन पोस्ट किया। इस वीडियो में वे खूबसूरत और परफेक्ट बनने के सफर को बयां करती हैं। वे कहती हैं कि उन्हें ठीक से याद तक नहीं है कि आखिरी बार उन्होंने पेट

भरकर खाना कब खाया था। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, मुझे नैना के इस सीन के लिए आप सभी के ढ़ेर सारे मैसेज मिल रहे हैं। नैना का इस कदर टूटना उस झूठ का नतीजा है, जो हमें बचपन में सिखाया गया है। हमें बताया गया है कि हम तभी बेहतर कहलाएंगे, जब हम 5 किलो वजन कम कर लेंगे, जब हमें प्रमोशन मिल जाएगा या जब हम पूरी तरह परफेक्ट दिखेंगे। संदीपा आगे लिखती हैं कि नैना के साथ-साथ उन्होंने यह भी महसूस किया है कि इंसान जैसा है, वैसा पर्याप्त और पूरा है। खुश रहने के लिए किसी बाहरी दिखावे या दूसरों की मंजूरी की जरूरत नहीं है। रवि उद्यावर द्वारा निर्देशित फिल्म में संदीपा के अलावा, सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर भी मुख्य भूमिका में है। फिल्म में अभिनेत्री संदीपा दिखने में बेहद खूबसूरत और खुशमिजाज लगती है, लेकिन अंदर से वह बेहद अकेली, पहचान खोने के डर और दूसरों से तारीफ पाने की भूख से जूझती है। अभिनेत्री संदीपा का किरदार आज की उन लड़कियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो समाज के बनाए 'परफेक्ट' होने के मापदंडों के नीचे दबी हुई हैं। 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया ही मिली थी।

डेविड धवन की हिट फिल्मों को 'पीवीआर आईनॉक्स' पुनः रिलीज करेगा

नई दिल्ली/भाषा। करीब एक दशक तक 'राजा बाबू', 'आंखें' और 'पार्टनर' जैसी अत्यंत सफल हास्य फिल्मों के साथ हिंदी सिनेमा को नया आयाम देने वाले डेविड धवन की कुछ हिट फिल्मों को 'पीवीआर आईनॉक्स' दोबारा रिलीज करने जा रहा है।

यह फिल्म महोत्सव उनकी नवीनतम फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज से पहले, उनकी विरासत को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया है।

धवन ने फिल्म अभिनेता गोविंदा और अभिनेता सलमान खान के साथ मिलकर 1990 के दशक की कुछ बेहद मनोरंजक फिल्में दीं।

भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) से स्नातक करने वाले धवन का फिल्म जगत में 40 वर्षों से भी अधिक लंबा अनुभव रहा है जिसकी पहचान उनकी एक विशिष्ट फिल्म-निर्माण शैली है, जिसमें हास्य और पारिवारिक नाटकों का अनूठा मेल देखने को मिलता है।

'पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड' की मुख्य रणनीतिकार निहारिका बिजली ने डेविड तथा अन्य फिल्मकारों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया तथा कहा कि नई पीढ़ी इनकी फिल्मों से बहुत कुछ सीख सकती है।

धवन ने कहा, मेरा उदेश्य हमेशा से ऐसी फिल्में बनाने का रहा है जो लोगों का मनोरंजन करें तथा उन्हें अपनी रोजमर्रा की मुश्किलों को भुलाने में मदद करें। मेरा हमेशा से यही विचार रहा है कि सिर्फ तीन घंटों के लिए ही सही, लोगों को हंसाओ, उन्हें ज़िंदगी के बारे में अच्छा महसूस कराओ ताकि वे सिनेमाघर से बाहर मुस्कुराहट के साथ निकलें। उन्होंने आगे कहा, पीवीआर आईनॉक्स को मेरे काम पर आधारित महोत्सव आयोजित करते हुए और इन फिल्मों को वापस बड़े पर्दे पर लाते हुए देखना दिल को छू लेने वाला अनुभव है। ये फिल्में बहुत प्यार, ऊर्जा और सहज वृत्ति के साथ बनायी गई थीं। मैं यह देखकर बहुत उत्साहित हूं कि दर्शक सिनेमाघरों में वापस आकर उस दीवानगी, संगीत और खुशी को एक बार फिर से जी रहे हैं।

'लुक्खे' में दिखेगा पलक तिवारी का इमोशनल अवतार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पलक तिवारी वेब सीरीज 'लुक्खे' के जरिए ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज रैप कल्चर, स्ट्रीट राइवलरी और बदले की कहानी है। इस सीरीज में पलक ने सनोबर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है, जो म्यूजिक और हाई-स्टेक्स वाली दुनिया में अपनी कमजोरियों, प्यार और अंदरूनी संघर्षों से लड़ती नजर आएगी।

अपने किरदार को अभिनेत्री का कहना है कि सनोबर काफी भावनात्मक और एक्सप्रेसिव है। पलक को एक्टिंग विरासत में मिली है। उनकी मां श्वेता तिवारी टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा हैं। दिग्गज अभिनेत्री की बेटी होने के नाते पलक पर हमेशा उम्मीदों का दबाव रहता है। इस बारे में पलक का कहना है, बेशक, मेरी मां के शानदार अभिनय की वजह से थोड़ा प्रेशर होता है, लेकिन मेरी नजर में वह सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं।

सीरीज में सनोबर के किरदार को अभिनेत्री पलक तिवारी अपनी मां के मशहूर किरदार 'प्रेरणा' (कसौटी जिंदगी की) के लिए एक ट्रिब्यूट मानती हैं। अभिनेत्री का कहना है कि प्रेरणा की तरह सनोबर भी बहुत इमोशनल है और अपने दिल की बात खुलकर कहती है। मुझे लगता है कि सनोबर ही असल मायने में प्रेरणा की बेटी की तरह है। पलक ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान श्वेता ने उन्हें कुछ टिप्स दिए थे। पलक ने बताया कि उनकी मां हमेशा कहती हैं, अगर तुम दर्शकों को रुला सकीं, तो समझो तुम एक सफल एक्टर हो। इसके अलावा, मां ने मुझे एक बड़ी सीख दी कि हर सीन को जीतने की कोशिश मत करो।

पलक ने बताया कि उनकी मां का मानना है कि हर सीन का अपना एक हीरो होता है। कभी आपको चमकना चाहिए और कभी अपने साथी कलाकार को मौका देना चाहिए। इसी टीम वर्क से एक सीन और पूरी सीरीज कामयाब होती है। विपुल डी. शाह और राजेश बहल द्वारा निर्मित सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। यह सीरीज 8 मई से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

'मर्दानी 3' की सफलता से खुश रानी मुखर्जी बोलीं- 'शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों की आवाज बन चुकी है'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने यूं तो पर्दे पर कई रोल निभाए, लेकिन उनका शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार लोगों का हमेशा से पसंदीदा रहा, जिसे उन्होंने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी में निभाया है। हाल ही में रिलीज हुई 'मर्दानी 3' को जिस तरह से थिएटर और ओटीटी दोनों जगह दर्शकों का प्यार मिला है, उससे रानी मुखर्जी काफी खुश हैं। रानी मुखर्जी ने कहा, मर्दानी 3 का सफर मेरे लिए काफी इमोशनल है। पहले यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और वहां इसने शानदार प्रदर्शन किया। एक महिला लीड एक्शन फिल्म होने के बावजूद इसने कई बड़े माइलस्टोन पार किए, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके बाद जब यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई, तो वहां भी इसे दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला और यह लगातार टॉप फिल्मों में ट्रेंड करती रही। उन्होंने आगे कहा, ''किसी फिल्म का थिएटर में सफल होना एक बात है, लेकिन जब वही फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लंबे समय तक ट्रेंड करती रहती है, तो यह इस बात का

सबूत होता है कि कहानी लोगों के दिलों में गहराई से उतर चुकी है। यह सफलता मेरे लिए बेहद गर्व भरे पल लेकर आई है। दर्शक अब कंटेंट को सिर्फ स्टार पावर से नहीं, बल्कि उसकी कहानी और संदेश से भी जोड़कर देखते हैं।''

रानी मुखर्जी ने कहा, ''इस फिल्म की सफलता एक बड़े बदलाव का संकेत है। अब दर्शक सिर्फ पारंपरिक कहानियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जिनमें मजबूत महिला किरदार हों और जो समाज से जुड़े मुद्दों को उठाती हों।''उन्होंने कहा, ''आज के समय में दर्शक ऐसी फिल्मों को स्वीकार कर रहे हैं जो सोचने पर मजबूर करती हैं। अगर किसी कहानी में ईमानदारी, भावना और मजबूत नैतिक संदेश होता है, तो वह कहानी किसी भी सीमा को पार कर सकती है और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंच सकती है।'' रानी मुखर्जी ने कहा, मर्दानी' फ्रेंचाइज़ी को लोग अब दोबारा देख रहे हैं और उससे जुड़ रहे हैं। यह मेरे लिए बहुत खास बात है क्योंकि इसका मतलब है कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक लगातार चलने वाला संदेश बन गई है, जो समय के साथ और भी मजबूत होता जा रहा है। उन्होंने अपने किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के बारे में कहा, ''यह अब सिर्फ एक फिल्मी किरदार नहीं रहा। यह किरदार अब लोगों के बीच अपनी जगह बना चुका है। शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों की आवाज बन चुकी है। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के दर्शक इस किरदार से जुड़ाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस फ्रेंचाइजी को लगातार इतना प्यार मिल रहा है और इसका प्रभाव बढ़ता जा रहा है।'' 'मर्दानी 3' फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

चेन्नई में अलख जगाने आ रहे हैं मुनिश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमार, मुनि आदित्य कुमार का होसुर चेन्नई हाईवे पर तमिलनाडु सीमा में मंगल प्रवेश के अवसर पर स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा चेन्नई द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ मुनि श्री पुलकित कुमार ने कहा गुरुदेव की कृपा से हम कर्नाटक में 24 महीने का लंबा प्रवास करते हुए बेंगलूरु का चातुर्मास संपन्न हुआ। मुनिश्री अब हम तमिलनाडु चेन्नई की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। आध्यात्मिक उन्नति करवाने के लिए हम तमिलनाडु चेन्नई आ रहे हैं। मुनि श्री ने कहा संत चरण गंगा की धारा की तरह होते हैं जहां जाते हैं वहां आध्यात्मिक तृप्ति करवाते हैं।

मुनि आदित्य कुमार ने गीतिका प्रस्तुत की। नवकार महामंत्र से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। मंगलाचरण तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई के उपाध्यक्ष नवीन बोहरा ने किया। चेन्नई तेरापंथ सभा साहूकारपेट अध्यक्ष अशोक खतंग, तेरापंथ महासभा सदस्य प्रवीण बाबेल, तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई के उपाध्यक्ष हरीश भंडारी, तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने आदि वक्ताओं ने स्वागत भाषण करते हुए मुनिश्री के आगामी विहार एवं स्वास्थ्य की मंगल कामना की। मंत्री विनोद छाजेड़ में आभार प्रकट करते हुए मुनिश्री के एक वर्षीय प्रवास की अनेक उपलब्धियों को व्यक्त किया। बहादुर सेठिया ने मंगल भावना गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा विजेता रायसोनी होसुर सभा अध्यक्ष मंगलचंद बाफना, विनय सेठिया तेरापंथ प्रोफेशनल फॉर्म से माणकचंद बलदोटा, संघ संवाद के प्रमुख जितेंद्र घोशल, मंगलचंद कोचर तेरापंथ महिला मंडल चेन्नई निशा भंडारी आदि वक्ताओं ने मुनिश्री के प्रति आध्यात्मिक मंगल भावना व्यक्त की। मुकेश सुराणा, धीरज कोठारी, भगवतीलाल मांडोत, प्रवीण बोहरा लादूलाल बाबेल, सभा उपाध्यक्ष महेंद्र मांडोत, संगठन मंत्री चंद्रेश चिपड, सेवा प्रभारी धर्मीचंद छल्लानी, अरिहंत सेठिया श्रीकांत चोरडिया,रौनक चौरडिया, बाबूलाल बोथरा, दिनेश हिंगड़, विक्रम दुगड शर्मिला भंसाली, रंजीता दुग्गड, किशोर मंडल से ऋषभ समदड़िया हिमांशु कोठारी आदि उपस्थित थे।

'सकारात्मक ऊर्जा के संचार का केंद्र होती है मंदिर की ध्वजा'

मैसूरु के सुविधिनाथ राजेंद्र जिनालय पर हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में लाभार्थी मोहनबाई-रिखबचंद क्षत्रिय वोहरा परिवार की ओर से बुधवार को सुविधिनाथ राजेंद्र जिनालय के शिखर पर 18वां ध्वजारोहण किया गया। मंदिर में स्थापित प्रभु प्रतिमा के आगे सुबह राजेंद्र संगीत मंडल, राजेंद्र महिला मंडल, राजेंद्र बालिका मंडल ने सत्तरभेदी पूजा पढ़ाई। धार्मिक गुरु ने विधि विधान कराते हुए मंदिर शिखर पर ध्वजा का महत्व बताया और कहा कि जैन धर्म में हर वर्ष मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण या ध्वजा परिवर्तन एक अत्यंत पवित्र और हर्षोल्लास का उत्सव है। यह कार्यक्रम जिनशासन की प्रभावना, धर्म की विजय और आध्यात्मिक गौरव का प्रतीक है। ध्वजा विशेषकर केसरिया, श्वेत या पंचवर्णी को जिन मंदिर का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा के संचार का केंद्र होता है । शिखर पर लहराती ध्वजा आत्मा के मोक्ष की ओर बढ़ने का प्रतीक है, जो सांसारिक मोह से ऊपर उठने की याद दिलाती है। यह धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर और आत्मा की कर्मों पर विजय का प्रतीक है। मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वजा से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा आसपास के वातावरण को पवित्र करती है। इस मौके पर उपस्थित साध्वीजी ने जैन तीर्थों की महिमा के बारे में बताते हुए कहा कि पालीताणा जैसे शाश्वत तीर्थों पर दादा आदिनाथ की ध्वजा के दर्शन करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। ध्वजारोहण मात्र एक रस्म नहीं, बल्कि यह याद दिलाने का माध्यम है कि हमारा जीवन भी धर्म की ध्वजा की तरह हमेशा ऊँचा रहे और हम क्रोध, मान, माया, लोभ जैसे कषायों को त्यागकर सम्यक दर्शन-ज्ञान की राह पर चलते आगे बढ़े। यह कार्यक्रम समुदाय में एकता और धर्म के प्रति श्रद्धा को और मजबूत करता है। ङ्गङ्गइस मौके पर सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट मैसूरु के अध्यक्ष शांतिलाल हरण सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे ।

पुरुष प्रधान मानसिकता ही नारी पर सभी अन्याय और अपराधों की जननी है : संत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को 'वीरांगना सम्मान समारोह' में उपस्थित जनों को संबोधित करते कहा कि शरीर की बाहरी रचना के आधार पर नारी अथवा पुरुष की शक्ति और बुद्धि कम या ज्यादा मूल्यांकन करना सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ करने के समान है। उन्होंने कहा कि पुरुष प्रधान मानसिकता ही नारी पर सभी अन्याय और अपराधों की जननी है। लिंग भेद आधार पर भेदभाव करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। मुनिश्री ने बताया कि पति के होने पर पत्नी को महारानी के रूप में सम्मान मिलता है और उनके पति देवलोकगमन पर बुरा हाल कर देते हैं, परिवार समाज में अप्रासंगिक हो जाती है सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि विधवा को अमंगल, अपसुकन मानकर मंगल काम में उपेक्षा की जाती है यह साक्षात लक्ष्मी सरस्वती और दुर्गा का अपमान है। महापुरुषों की निगाह में शील रत्न का पालन करती हुई देवी के रूप में पूजनीय मानी गई है। जैन संत ने कहा कि सौभाग्यवती नारी के सुहाग के श्रृंगार आभूषण है, एक तो पुरुषों का भी श्रृंगार होना चाहिए जिससे मालूम पड़े कि वह शादीशुदा है।

समारोह की अध्यक्षता सिकंदराबाद संघ के प्रमुख संपतराज कोठारी ने की। ङ्गमुख्य अतिथि के रूप में हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी तथा पूर्व अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड़, राजेश गोलछा, लालचंद छींगावत, संजयकुमार कचोलिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संघ के मंत्री सुरेश धोका ने संचालन किया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

बेंगलूरु के जैन साधर्मिक सेवा संघ द्वारा पांच दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा के उपलक्ष्य में रविवार को बेंगलूरु टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाजसेवी महेन्द्र मुणोत को आमंत्रण पत्रिका देकर न्यौता देते हुए संघ के आशीष बाफना, विकास बाफना, सुनील ओस्तवाल, प्रवीण कुमार मुथा, अभिषेक विनायकिया आदि ।

ज्ञानचंद कोठारी की उपस्थिति में बेंगलूरु में एमआई की महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल (एमआई) बेंगलूरु सेंटर की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक 28 अप्रैल को एमआई एपेक्स रीजन 10 के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी की गरिमामयी उपस्थिति में हुई।

बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन विजयराज सिसोदिया ने की। बैठक में संगठन की प्रमुख प्राथमिकताओं जैसे प्रोजेक्ट प्लानिंग, सदस्यता विस्तार अभियान, वेबसाइट सूचना सुदृढ़ीकरण एवं डिजिटल आउटरीच पहल पर विस्तृत चर्चा की गई। सेक्रेटरी आशीक पिरगल ने बेंगलूरु सेन्टर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी का पदाधिकारियों ने साफा, माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए ज्ञानचंद कोठारी ने सदस्यता सुदृढ़ीकरण, स्थायी सामाजिक सेवा परियोजनाओं का क्रियान्वयन, जागरूकता, पारदर्शिता एवं सदस्य सहभागिता बढ़ाने हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण सेवा परियोजनाओं पर चर्चा की गई। जिनमें प्रमुख हैं - जीवन रक्षक इमरजेंसी हार्ट अटैक किट वितरण, महिलाओं हेतु सेनेटरी पैड जागरूकता एवं सहयोग अभियान, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक बैग्स के विरोध में जनजागरण अभियान, किसानों के लिए जल सहायता पहल, पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण अभियान इत्यादि पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में चेयरमैन विजयराज सिसोदिया, पूर्व चेयरपर्सन भारती छाज्रेड तलेसरा, सुशील छाजेड़, वाइस चेयरमैन मनोज बाफना, दिनेश लोढ़ा, कमल पुणमिया, सचिव आशीक पिरगल एवं अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का समापन भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलते हुए सेवा, करुणा एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर की प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

बेंगलूरुवासियों का आत्मीय भाव मुझे हमेशा याद रहेगा : मुनि पुलकित कुमार

मुनिद्वय ने बेंगलूरु से विदाई लेकर तमिलनाडु सीमा में किया प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी का गुरुवार को होसूर चेन्नई हाईवे पर तमिलनाडु सीमा में मंगल प्रवेश के अवसर पर मंगल भावना कार्यक्रम तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि गुरुदेव की कृपा से हमारा कर्नाटक में 24 महीने का लंबा प्रवास हुआ जिसमें पहला बल्लारी तथा दूसरा बेंगलूरु में ऐतिहासिक एवं सक्रिय चातुर्मास रहा। मुनिश्री ने श्रावक समाज की अनुमोदना करते हुए कहा कि यहां के श्रावक समाज ने हमारे इंगित की आराधना करते हुए आध्यात्मिक धर्म लाभ उठाया है। यहां के श्रावक समाज का आत्मीय भाव मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा।

ऐसे ही आगे भी धर्मसंघ की सेवा में सक्रियता बनाए रखें। पांच नई तेरापंथ सभाओं का निर्माण होने से संघ व संगठन में और ज्यादा मजबूती मिलेगी। तेरापंथ सभा के साथ तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल आदि संस्थाओं की सक्रिय भूमिका रही। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीतिका प्रस्तुत की। गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने स्वागत भाषण करते हुए मुनिश्री के आगामी विहार एवं स्वास्थ्य की मंगल कामना की। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने आभार प्रकट किया।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने मनाया 'गणगौर उत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की सदस्याओं ने गुरुवार को शहर के एक रिसोर्ट में 'गणगौर उत्सव' का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि त्योहार, उत्सव हमारी प्राचीन समृद्ध संस्कृति की धरोहर है।

इस उत्सव में अनेक राजस्थानी सांस्कृतिक लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सदस्याओं द्वारा गणगौर के पारंपरिक गीतों का गान हुआ । इस मौके पर 'गणगौर है म्हारे राजस्थान री शान' विषय पर सदस्याओं ने गणगौर के मनाए जाने एवं वर्तमान समय में रिश्तों में मधुरता बनाए रखने में इस उत्सव की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सोलह श्रृंगार से सुसज्जित सदस्याओं को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ पारंपरिक वेशभूषा धारक के रूप ममता घोषल, दमयंती कटारिया एवं स्नेहा जैन का सम्मान किया गया। इस मौके पर उपस्थित अतिथि अर्चना सुराणा एवं शांति सकलेचा को सम्मानित किया गया।

भावी आचार्य महेन्द्रमुनि का दीक्षा दिवस संयम दिवस के रुप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में 30 अप्रैल, वैशाख सुदी चतुर्दशी को भावी आचार्यश्री महेन्द्रमुनि म.सा. का 52 वां दीक्षा दिवस संयम दिवस के रुप में मनाया गया। स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने आगम वांचन में प्रश्न व्याकरण सूत्र के अंतर्गत चक्रवती, वासुदेव के चिन्हों व रिद्धि पर विवेचन करते हुए भावी आचार्यश्री के प्रत्यक्ष अनुभव हुए उपकारों पर कृतज्ञ भावों से गुणगान किए। श्राविका मण्डल तमिलनाडु की अध्यक्ष शशि कांकरिया व गंगादेवी कर्णावट ने 'पूज्यराज महेन्द्र महान, आओ कर ले गुणगान' गीतिका प्रस्तुत की। इंदरचंद कर्णावट ने स्तुति करते हुए गुणगान किए। श्रावक संघ के उपाध्यक्ष गौतमचन्द मुणोत व स्वाध्यायी महावीरचन्द बागमार ने उनके उपकारों पर प्रकाश किया।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने भावी आचार्य के दृढ़ वैराग्य,गुरु भक्ति,दृढ़ आत्मबल, मनोबल, गंभीरता आदि अनेक गुणों के उद्दरण रखते हुए गुणगान किये। हितेन कोठारी, रुपराज सेठिया, महावीरचन्द कर्णावट, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, जे कमल चोरडिया, लीलमचन्द बागमार उच्छबराज गांग ने हीरा चालीसा व महेन्द्र चालीसा गान करते हुए सामूहिक स्तुति की। शशि कांकरिया ने चिन्तन सूत्र आर नरेन्द्र कांकरिया ने तीन मनोरथ व संकल्प सूत्र करवाया। स्वाध्यायीगण के अन्य प्रत्याख्यान ग्रहण के साथ गंगादेवी कर्णावट ने उपवास के प्रत्याख्यान करते हुए मंगल पाठ सुनाया। गुरु सुखसाता पृच्छा पाठ के पश्चात तीर्थंकरों, आचार्यो, उपाध्यायों व चरित्र आत्माओं की जयजयकार संग भावी आचार्य दीक्षा दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर में धूमधाम से नरसिंह जयंती मनाई गई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर ने 30 अप्रैल को श्री नरसिंह जयंती मनाई। गई। दुनिया में शांति और सुरक्षा के लिए भगवान विष्णु के खास इंसान और शेर अवतार, नरसिंह से प्रार्थना की गई। भगवान महाविष्णु ने अपने प्यारे भक्त प्रह्लाद को उसके पिता, राक्षस हिरण्यकश्यप की परेशानी से बचाने के लिए एक भक्त के रूप में नरसिंह अवतार लिया था। गुरुवार को सुबह, शहर भर में इस्कॉन बेंगलूरु के कई भक्तों ने शहर में 108 अलग-अलग जगहों पर अरुणोदय कीर्तन किए, और दुनिया में शांति और सुरक्षा के लिए भगवान नरसिंह का आशीर्वाद मांगा।

इस हरे कृष्ण संकीर्तन मूवमेंट में दुनिया की सभी समस्याओं को हल करने की शक्ति है, इसलिए उन्होंने सभी से इस संकीर्तन मूवमेंट में हिस्सा लेने की रिक्वेस्ट की। सुबह के जाप के बाद, भक्तों ने बेंगलूरु के तीन बड़े इस्कॉन मंदिरों: हरे कृष्ण गिरि, राजाजीनगर, वैकुंठ गिरि, वसंतपुरा और खड्घउजछ हरे कृष्ण धाम, व्हाइटफील्ड में भगवान नरसिंह की त्योहार की मूर्ति पर एक बड़ा नरसिंह अभिषेक भी किया। इन तीनों मंदिरों में एक अनोखे प्रोग्राम में हज़ारों भक्तों ने मिलकर भगवान नरसिंह का पवित्र नाम लिया। इस मौके पर, संस्थान के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा, भगवान नरसिंह, जिन्होंने प्रह्लाद को बड़े खतरों से बचाया, हमें हमेशा सुरक्षा दें और हमारे जीवन को शांति, खुशहाली और निडरता से भर दें। भगवान की दहाड़ हमारे दिलों से सारा डर मिटा दे। भगवान नरसिंह की कृपा हम सब पर बनी रहे।

सत्य और न्याय के प्रबल समर्थक थे आचार्य भिक्षु : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसूर। शहर के तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'तेरापंथ-मेरापंथ कार्यशाला' का आयोजन किया गया। साध्वी संयम लताजी ने कहा कि जैन परंपरा के आध्यात्मिक क्षितिज पर आचार्यश्री भिक्षु जैसे एक ऐसे व्यक्तित्व उभरे जिन्होंने रुढ़ीवादी विचारों से जकड़ धार्मिक जगत को नया मोड़ दिया।

आचार्य भिक्षु सत्य और न्याय के प्रबल समर्थक थे और वे अपने सिद्धांतों के प्रति पूर्ण समर्पित थे। आचार्य भिक्षु ने सत्य की सुरभि से भुवल को सुरभित किया। उन्होंने अपनी संकल्पना एवं अदम्य साहस से सुविधावाद, सामाजिक रूढ़ियों व विकृतियों से सबको सुसंस्कृत बना दिया।

ऐसे महापुरुष महावीर के सिद्धांतों को समझने का प्रयास करें। साध्वीश्री ने कहा कि विश्व के रंगमंच पर महान परिवर्तन हुए, आचार्य भिक्षु ने साधु आचार्य साध्वाचार का सही मार्गदर्शन किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता महेन्द्र दक ने आचार्य भिक्षु के विचारों, सिद्धांतों एवं व्यवहारिक आचार की व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने लौकिक एवं लोकतंत्र धर्म के बारे में सरल तरीके से समझाया।

तमिलनाडु और केरल में कांग्रेस की साझेदारी वाले गठबंधनों को मिलेगा बहुमत : खरगे

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु और केरल विधानसभा चुनावों में पार्टी की साझेदारी वाले गठबंधनों के स्पष्ट बहुमत हासिल करने की बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि असम में नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 'एग्जिट पोल' के अनुमान से अधिक सीटें मिलेंगी। खरगे ने कहा कि पुडुचेरी में कांग्रेस ने कड़ा मुकाबला किया है, जबकि पश्चिम बंगाल में लड़ाई पार्टी की स्थिति मजबूत करने के लिए रही है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के तहत मतगणना चार मई को होगी। खरगे ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा, कुछ जगहों पर एग्जिट पोल के नतीजे स्पष्ट दिख रहे हैं, लेकिन कुछ परिणामों ने भ्रम की स्थिति पैदा की है। मेरा मानना है कि ''तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। मैंने वहां के लोगों से बात की है। इसी तरह केरल में हमारे लोगों ने बताया है कि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को बहुमत मिलेगा।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.